A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 04 जुलाई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 297 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अमित शाह ने बदली हरियाणा में चुनावी रणनीति, इसके मायने क्या?

जगदीप सिंधु

भाजपा के 'चाणक्य' ने हरियाणा में ये मान लिया कि सरकार बैसाखियों के सहारे भी बनती है। एक वक्त अपने दल को अजेय बताने वाले चाणक्य की रणनीति हरियाणा में लड़खड़ाती हुयी लगने लगी है। पंचकूला में पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं को हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत का मंत्र देने पहुंचे भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने कहा कि हमें रूठना नहीं, केवल कमल को जितने के लिए काम करना है। 'अबकी बार 75 पार' का ज़िक्र करने से भी अमित शाह साफ़ बचते रहे। उस पर अब शायद अमित शाह को भी विश्वास नहीं रहा। 29 जून को पंचकूला में राज्य की कार्यकारिणी की बैठक में अमित शाह ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव दो तिहाई सीट जीतने का लक्ष्य इस बार दिया है। दूर तक भी पिछले चुनावों के आक्रामक तेवरों की छवि कहीं दिखाई नहीं दी। हरियाणा में फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए पिछले दस साल की उपलब्धियों से इतर केवल कमल को ही सोचने का मंत्र कार्यकर्ताओं को दिया है। चुनावों में मुख्यमंत्री के चेहरे के एलान को जीत का मूलमंत्र समझाने में लगे रहे।

प्रदेश में पार्टी के कार्यकर्ताओं की नाराज़गी दूर करने के उद्देश्य से रखी गई विस्तारित सभा में अमित शाह ने कहा कि कई बार लोगों में नाराज़गी हो जाती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम पार्टी के लिए काम करना छोड़ दें। पार्टी के सबसे ताक़तवर नेता ने यह भी मान ही लिया है कि पार्टी अब ढलान की तरफ़ है और भाजपा के प्रति लोगों का मोह टूट चुका है। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी को इस समय हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है, हमें सबकुछ भूल कर पार्टी का साथ देना चाहिए।

अमित शाह के संबोधन से हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिलने वाली चुनौती का संकेत इस सभा में मिल गया। हरियाणा में भाजपा के लिए चुनाव का उद्घोष करने आये अमित शाह चुनावों में भाजपा की चुनौतियों को पूरी तरह से भाँप गए। 'चुनाव के वक्त नाराज़गी होने पर हमें कोई भी माफ़ नहीं करेगा' कहना अपने आप में भाजपा की स्थिति को बयां करता है। 'हरियाणा की जीत का संदेश भाजपा को पूरे देश में एक नई ऊर्जा और बल देगा' ये कहना भी अमित शाह की चिंता को स्पष्ट करता है। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा के विजय रथ को हरियाणा में किसी भी क़ीमत पर रुकने न दें।

नायब सैनी को मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर अमित शाह ने भाजपा के लिए प्रदेश में राजनीतिक समीकरण साधने की बजाय और उलझा दिए। लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद भितरघात के उठे सवालों को अभी हरियाणा भाजपा सुलझा भी नहीं पायी है कि अमित शाह ने नयी लहरें राजनीतिक गलियारों में बढ़ा दीं।

हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में कुछ बड़े कांग्रेस के दिग्गज नेता, जो भाजपा में बड़े पद की सम्भावनाओं के चलते चले गए थे, उनकी उम्मीदों पर अमित शाह ने पूरी तरह पानी फेर दिया। अहीरवाल के राव इंद्रजीत लोकसभा चुनाव के बाद क्षेत्र में धन्यवाद के लिए हुई एक जनसभा में कह चुके हैं कि प्रदेश में नेतृत्व के लिए इस क्षेत्र द्वारा प्रतिनिधित्व करने का समय आ गया है। राव इंद्रजीत ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा था कि अगर अब इस क्षेत्र से हम प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बनवा पाए तो भविष्य में फिर कभी मौका नहीं आएगा।

अमित शाह के इस ऐलान के बाद अहीरवाल के समीकरण किस दिशा में बदलेंगे, ये भाजपा के लिए नयी चुनौती हो गयी है। अहीरवाल में 9 विधानसभा सीटें मानी जाती हैं। वहीं कांग्रेस को छोड़ हाल ही में भाजपा में गयी जाट नेत्री व उनकी बेटी, जिनको मलाल था कि गुटबाजी के कारण वो कांग्रेस में मुख्यमंत्री नहीं बन सकीं, अब किस तरह अपनी महत्वाकांक्षा से समझौता करेंगी, ये भी इन आने वाले महीनों में तय होता दिखाई देगा।

हरियाणा में बड़े जाट वर्ग के किसी नेता को भाजपा में रहते कोई बड़ा अवसर प्रदेश नेतृत्व का नहीं मिल सकेगा, ये भी साफ़ हो गया है। लोकसभा चुनावों में अन्य सामाजिक वर्ग, जिसमें अनुसूचित जाति भी बड़ी संख्या में भाजपा से छिटक गयी थी, को साधने के कोई प्रयास भाजपा की इस बैठक में सामने नहीं आये। लोकसभा में जाटों के गढ़ की तीनों सीट भाजपा हर गयी थी। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित दोनों सीटें भी भाजपा ने इन लोकसभा चुनावों में गंवा दी हैं। जातीय समीकरण के आधार पर पिछले दो चुनावों में हरियाणा में जीत हासिल कर अपनी सरकार बनाने में सफल रही भाजपा किन समीकरणों पर चुनाव में उतरेगी, ये अभी स्पष्ट होना बाक़ी है।

ऐसा माना जा रहा था कि हरियाणा में भाजपा की राजनीतिक बिसात मनोहर लाल खट्टर के अनुसार ही बिछाई जाएगी। भाजपा सामाजिक वर्गों की गोलबंदी के आधार पर बनिया, ब्राह्मण, पंजाबी, अहीर, राजपूत, सैनी व अन्य पिछड़ी जातियों को अपने पक्ष में करके ही चुनाव में अपनी बिसात पर काम करती दीख रही है। आपसी गुटबाजी के बीच उलझी भाजपा ने क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के बजाय, जो रणनीति चुनावों को लेकर पेश की है, उससे लगने लगा है कि भाजपा ने मान लिया है कि इस बार उनको प्रदेश में जीत दर्ज करना बेहद मुश्किल होगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

म.प्र. सरकार का पहला बजट

मोहन के पिटारे से निकली जनता के लिए सौगात

पुलिस में 7500, टीचर्स की 11 हजार भर्तियां होंगी

- शिवराज की योजना पर बंपर पैसा, जनता पर कोई नया कर नहीं
- व्यावसायिक परीक्षाओं की फीस सरकार भरेगी
- 3 नए मेडिकल कॉलेज शुरू होंगे, किसानों को बोनस

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही नर्सिंग घोटाले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने शोर-शराबे के बीच ही बजट भाषण पढ़ा। उन्होंने 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जो पिछले बजट से 16 प्रतिशत अधिक है। इसमें कोई नया कर नहीं लगाया गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, एमपी में होने वाली सभी व्यावसायिक परीक्षाओं की फीस सरकार भरेगी। इस बजट में पुलिस विभाग में नौकरियों के साथ-साथ शिवराज सरकार की पुरानी योजनाओं पर बंपर पैसा लगाने की बात कही है। इस बजट में 16 फीसदी की बढ़ौतरी की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि आगामी पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना, पूंजीगत निवेश को बढ़ाना, सड़क, सिंचाई एवं बिजली सुविधाओं का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोज़गार सृजन हेतु निवेश आकर्षित करना, को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया गया। जनता का बजट जनता के लिए- बजट तैयार करने के लिए जनता के सुझाव प्राप्त कर बजट में सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है

विपक्ष ने हंगामे के बीच मंत्री विश्वास सारंग को बर्खास्त करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कल मंत्री सारंग ने गलत जानकारी दी है, इसलिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया।

बजट भाषण पूरा होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, आज विपक्ष की स्थिति निंदनीय थी। कल नीट मुद्दे पर पूरी चर्चा हुई। आज इस प्रकार का कृत्य निंदनीय है। विपक्ष के इस कृत्य पर निंदा प्रस्ताव पारित होना चाहिए। इसके बाद स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही 4 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

युवाओं की बल्ले-बल्ले, सरकार खोलेगी 3 नए मेडिकल कॉलेज, 22 नई आईटीआई

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि एक ओर प्रदेश में तीन नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, तो दूसरी तरफ 22 नए आईटीआई स्थापित किए जाएंगे. सरकार ने शिक्षा के लिए 22600 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है. इसके अलावा खेल एवं युवा कल्याण के लिए 586 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. सरकार ने सीएम राइज स्कूलों के लिए 2 हजार 737 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है.

इतना ही नहीं, हर जिले में पहले से चल रहे किसी एक कॉलेज को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बदला जाएगा. सरकार ने पर्यटकों की सुविधा के लिए 666 करोड़ रुपये का भी प्रावधान किया है. प्रदेश के हर संभाग में पॉलिटेक्नीक लैब या इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जाएगा. सरकार के बजट के मुताबिक, राज्य में पूर्व प्राथमिक शालाएं भी खोली जाएंगी. इनकी संख्या 3200 होगी. इसके लिए 11 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. 22 नए हॉस्टल खोले जाएंगे. ये हॉस्टल पीएम श्री योजना के तहत खोले जाएंगे.

स्कूली बच्चों के लिए ट्रांसपोर्ट की सुविधा

जो बच्चे स्कूलों से एक या दो किमी दुर हैं, उनके लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की जाएगी. इसके अलावा प्रदेश में स्पोर्ट्स टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाएगा. भोपाल के नाथू बरखेड़ा में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा. इंटरनेशनल स्पोर्ट्स साइंस सेंटर बनाया जाएगा. सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए 94 सीएम राइज स्कूल स्वीकृत किए हैं. इसके लिए सरकार ने 667 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है.

बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान सहित सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 के बजट के लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार 3 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की यह विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, अपितु सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। 'वकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश' की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पाँच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा। बजट में सभी वर्गों विशेषकर युवा, गरीब, महिला, किसान आदि का ध्यान रखा गया है। आईटी सहित नवीन तकनीक के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए प्रशासनिक सेवाओं में प्रदेश के युवा अधिक से अधिक संख्या में आए, इस उद्देश्य से उन्हें प्रोत्साहन व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा प्रदेश में उनका योगदान बढ़ाने के लिए दीर्घगामी योजना पर कार्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्ष 2024-25 के बजट के संबंध में विधानसभा स्थित मीडिया सेंटर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी छात्रावासों में अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी बजट में विशेष व्यवस्था की गई है।

सुप्रभात

एक मरुथल हूँ मुझपे जल लिख जा
पनघटों की चहल-पहल लिख जा
आ, ज़रा आके मेरी आँखों में
मेरे आंसू का राशिफल लिख जा
ज़िंदगी तू कभी मेरे घर भी
अपने आने का एक पल लिख जा
मैं हूँ खाली लकीर पानी की
मुझपे खिलता हुआ कमल लिख जा
तू मुझे भागवत-सी लगती है
मेरी अंजुरी को आ रहल लिख जा
एक कोशिश का पेड़ हूँ मैं भी
आ मेरी डालियों पे फल लिख जा
ऐ 'कुँअर' हो सके तो हर दिल पर
अपनी प्यारी-सी इक ग़ज़ल लिख जा।

\- कुँअर बेचैन

जम्मू-कश्मीर में सेना ने बस खाई में गिरने से बचाई

- ब्रेक फेल हुआ, लोग कूदने लगे; जवानों ने पहियों के नीचे पत्थर रखकर रोकी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल में एनएच-44 पर भारतीय सेना की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। यहां मंगलवार को अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस का ब्रेक फेल हो गया। हाईवे के किनारे गहरी खाई थी। बस में 45 लोग सवार थे, जो अमरनाथ से पंजाब लौट रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बनिहाल के पास नचलाना पहुंचने पर ड्राइवर को ब्रेक फेल होने का पता चला। बस काफी स्पीड में थी। ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया था, जिससे गाड़ी तेजी से खाई की तरफ बढ़ने लगी। इससे बस में सवार यात्री दहशत में आ गए। जान बचाने के लिए यात्री चलती बस से कूदने लगे। इसी दौरान सेना और पुलिस के जवानों ने बस की स्पीड को कम करने की कोशिश की। उन्होंने बस के पहियों के नीचे पत्थर रख दिए। इससे बस रुक गई और खाई में गिरने से बच गई। इस तरह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सीएम का बड़ा ऐलान, हाथरस घटना की होगी न्यायिक जांच

जताई साजिश की आशंका, बोले, लोग मरते रहे और सेवादार भाग गए

अब तक 122 लोगों की हुई मौत, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे जांच

लखनऊ (एजेंसी)। हाथरस की घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं पुलिस ने हादसे को लेकर मुख्य सेवादार और आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग में हुई भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, ''यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है। इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी।'' यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 122 लोगों की मौत हुई है। 4 जिलों हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा में

रातभर शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन अपनों की लाश को लेकर इधर-उधर भटकते रहे। प्रशासन ने अब तक 121 मौत की पुष्टि की है। हादसा मंगलवार दोपहर 1 बजे फुलरई गांव में हुआ। बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे सीएम योगी भी हाथरस पहुंच गए। जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। घटनास्थल गए। अफसरों से पूरे हादसे की जानकारी ली। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- यह हादसा साजिश जैसा है। लोग मरते गए। सेवादार वहां से भाग गए। उन्होंने न तो प्रशासन को सूचना दी और न ही मदद की और ली। प्रशासन की टीम जब पहुंची तो सेवादारों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। हमने भी कुंभ जैसे बड़े आयोजन किए, लेकिन ऐसी चीजें नहीं आईं।

सुनीता विलियम्स के पहुंचते ही बढ़ी स्पेस स्टेशन की मुश्किल!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की वापसी अभी नहीं हो पाई है। इनके स्पेसक्राफ्ट में हीलियम रिसाव और थ्रस्टर में खराबी देखी गई थी लेकिन अच्छी बात ये रही कि उनका अंतरिक्ष यान इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से जुड़ गया। सुनीता विलियम्स के स्पेस में फंसने की चर्चा है। नासा का कहना है कि वह फंसी नहीं हैं लेकिन हाल ही में अंतरिक्ष में एक हादसा देखने को मिला था, जिससे आईएसएस में मौजूद सभी अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आई। इन्हें स्पेस स्टेशन में ही शेल्टर लेना पड़ा। दरअसल रूस की एक खराब सैटेलाइट स्पेस में फट गई थी, जिसका मलबा आईएसएस के लिए भी खतरा बन गया था।

झारखंड में हेमंत सोरेन फिर बनेंगे मुख्यमंत्री

चंपाई सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

रांची (एजेंसी)। जेल से बाहर निकलने के बाद एक बार फिर से हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे। सीएम चंपाई सोरेन ने बुधवार शाम 7.20 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। चंपाई सिर्फ 152 दिन झारखंड के सीएम रहे। 2 फरवरी 2024 को वे सीएम बने थे। चंपाई सोरेन ने कहा कि गठबंधन का जो फैसला था उसी के अनुसार मैंने काम किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि चंपाई जी ने अपनी बात कह दी है। ये गठबंधन का फैसला है। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन विधायक दल के विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपा। अब राज्यपाल कभी भी हेमंत सोरेन को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। इससे पहले रांची में सीएम हाउस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया है। सभी विधायक सीएम हाउस में ही रहेंगे।

निशिकांत दुबे बोले-चंपाई सोरेन युग समाप्त

इधर, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि चंपाई सोरेन युग अब समाप्त हो गया है। निशिकांत दुबे ने ट्वीट कर कहा कि परिवारवादी पार्टी में परिवार के बाहर के लोगों का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। काश, आंदोलनकारी मुख्यमंत्री बिरसा भगवान से प्रेरित होकर भ्रष्टाचारी हेमंत सोरेन के खिलाफ खड़े हो पाते।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40.5 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 04 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

पूर्वोत्तर में 'बारिश ही बारिश', बद्तर हुए हालात

● असम में बाढ़ से तीन लोगों की मौत, 11 लाख लोग प्रभावित ● मणिपुर में स्कूल-सरकारी दफ्तर बंद, भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने तय समय से 6 दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया है। देशभर के तकरीबन सभी राज्यों में भारी बारिश हो रही है। नॉर्थ-ईस्ट में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। मणिपुर और असम में बाढ़ आ गई है। मणिपुर सरकार ने बुधवार को राज्य के सभी सरकारी दफ्तरों में छुट्टी की घोषणा की है, जबकि स्कूल 4 जुलाई तक बंद रहेंगे। मंगलवार को सेनापति नदी में गिरे 25 साल एक व्यक्ति का शव निकाला गया। भारत-म्यांमार सड़क के 3 किमी से अधिक हिस्से में भी बाढ़ आ गई है। 1000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। असम में भी तीन लोगों की बाढ़ से जान चली गई। इससे राज्य

में इस साल बाढ़, लैंडस्लाइड और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। राज्य के 23 जिलों में 11.3 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सोमवार तक 19 जिलों में 6.44 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित थे। गुजरात के जूनागढ़ में सड़कें बारिश के पानी में डूब गई हैं। इसकी वजह से 30 गांवों का संपर्क कट गया है। वंथली में सोमवार सुबह से मंगलवार सुबह तक रिकॉर्ड 361 मिमी बारिश हुई। सौराष्ट्र और दक्षिणी क्षेत्र में 200 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। अहमदाबाद में दो मंजिला बिल्डिंग की सीढ़ियों का एक हिस्सा ढह गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने बिल्डिंग में फंसे 16 लोगों को निकाला।

संक्षिप्त समाचार

अब छपरा में भरभरा कर गिरा 10 साल पुराना ब्रिज

छपरा (एजेंसी)। बिहार में पुल गिरने का सिलसिला जारी है। और इस कड़ी में बुधवार को छपरा का नाम भी जुड़ गया है, जहां जनता बाजार के ढोढनाथ मंदिर के समीप नदी पर 10 साल पहले बना पुल ध्वस्त हो गया। एकमा के पूर्व विधायक धूमल सिंह की ओर से यह पुल 10 साल पहले बनवाया गया था और आज इस पुल ने भी दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के

अनुसार 2014 के तत्कालीन विधान परिषद सदस्य डॉक्टर महाचंद्र सिंह की ओर से भी इस पुल के निर्माण में विधायक निधि से सहायता दी गई थी, लेकिन आज इस पुल ने भी दम तोड़ दिया। पुल ध्वस्त होने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि यह पुल किस तरह से भरभरा कर गिर रहा है।

हाल के दिनों में बिहार में कई पुल गिरने की घटनाएं सामने आई है, जिसे लेकर पूरे देश में बिहार के किरकिरी हो रही है।

घटने के बजाय चीन पर बढ़ गई हमारी निर्भरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन से आयात कम करने के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं लेकिन इसका कुछ खास परिणाम देखने को नहीं मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही में भारत की चीन और यूरोपीय संघ पर

व्यापार निर्भरता बढ़ गई है। दूसरी ओर सऊदी अरब पर हमारी निर्भरता कम हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में भारत की यूरोपीय संघ और चीन पर व्यापार निर्भरता क्रमश : 1 और 1.2 फीसदी बढ़ी, जबकि सऊदी अरब पर निर्भरता 0.5 फीसदी घटी। एजेंसी ने अपने ग्लोबल ट्रेड अपडेट में कहा कि वैश्विक व्यापार रुझान सकारात्मक हो गया है। यह ग्रोथ चीन, भारत और अमेरिका से निर्यात में बढ़ोतरी से प्रेरित है लेकिन यूरोप और अफ्रीका ने निराश किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की पहली तिमाही में ग्लोबल ट्रेड में ग्रोथ रही।

मजाक समझ रखा है क्या! एनआईए पर भड़क गए जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जाली मुद्रा के मामले में एक केस की सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने एनआईए से पूछा कि मामले में चार साल तक क्यों नहीं ट्रायल शुरू किया जा सका है। जस्टिस जेबी

पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुयान की खंडपीठ ने कड़े शब्दों में एनआईए से पूछा कि क्या आपने इसे मजाक समझ रखा है। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि आपकी वजह से आरोपी को बिना किसी सुनवाई के चार साल तक जेल में रहना पड़ा। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी अभियुक्त को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत शीघ्र सुनवाई का अधिकार है।

महाराष्ट्र में 'जीका' संकट, सामने आए आठ मामले

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की है हेल्थ एडवाजइरी

● गर्भवती महिलाओं की जांच और देखरेख के दिए निर्देश

मुंबई/नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में जीका वायरस के कई मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को हेल्थ एडवाइजरी जारी कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि राज्य स्वास्थ्य सुविधाओं दुरस्त रखने और अस्पतालों से एडीज मच्छरों से मुक्त रखने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति करें। एडवाइजरी में कहा गया है कि राज्य गर्भवती महिलाओं की गहन जांच करें। इसके बाद उनकी निगरानी भी रखें। केंद्रीय स्वाथ्य मंत्रालय ने राज्यों को जीका वायरस के संक्रमण पर यह एडवाइजरी महाराष्ट्र में कई मामले सामने आने के बाद जारी की है। महाराष्ट्र में अभी तक जीका वायरस से संक्रमण के कुल आठ मामले सामने आ चुके हैं। इसके बाद ही केंद्र सरकार ने लोगों को अलर्ट जारी किया है। जीका, डेंगू

और चिकनगुनिया एक ही वेक्टर मच्छर से फैलता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि जीका संक्रमित गर्भवती माताओं के भ्रूणों की निगरानी में कोताही न बरती जाए। जीका पॉजीटिव गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी करके निरंतर निगरानी बनाए रखें। महाराष्ट्र के पुणे में 55 साल की महिला के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसी के साथ शहर में इस घातक वायरस के मरीजों की संख्या बढ़कर सात हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तक पुणे में छह लोगों के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी, जिनमें दो गर्भवती महिलाएं शामिल हैं।

इसरो के हाथ लगी एक और बड़ी कामयाबी

आदित्य-एल1 ने पूरा किया हेलो ऑर्बिट का पहला चक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को जानकारी दी है कि भारत की पहली अंतरिक्ष-आधारित सौर वेधशाला, आदित्य-एल1, ने सूर्य और पृथ्वी के बीच एल1 लैग्रेंजियन बिंदु के चारों ओर यानी हेलो ऑर्बिट का एक चक्कर पूरा कर लिया है। आदित्य-एल1 को पिछले साल 2 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया गया था और इस साल 6 जनवरी, 2024 को हेलो ऑर्बिट में उसे स्थापित किया गया था। आदित्य-एल1 ने इसके साथ ही अपने जटिल प्रक्षेप पथ को बनाए रखने की अपनी क्षमता का सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया है। सूर्य का अध्ययन करने के

लिए डिजाइन किए गए अंतरिक्षयान आदित्य-एल1 मिशन को एल1 बिंदु के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में लगभग 178 दिन लगते हैं। इसरो ने कहा, इस स्थान पर अंतरिक्ष यान को विभिन्न अवरोधकों का सामना करना पड़ता है जो इसे लक्षित पथ से भटका सकती हैं लेकिन इन ताकतों का मुकाबला करने के लिए, हमने मिशन की शुरुआत के बाद से तीन महत्वपूर्ण स्टेशन-कीपिंग युद्धाभ्यास किए हैं। पहले दो युद्धाभ्यास क्रमशः 22 फरवरी और 7 जून को हुए।

अभी जेल से बाहर नहीं आएंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत से फिर झटका लगा है। अदालत ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ाई है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है। सीएम अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा।

राज्यसभा में पीएम मोदी की स्पीच, विपक्ष का वॉकआउट

पीएम बोले-पेपर लीक के दोषियों को छोड़ेंगे नहीं, मणिपुर की स्थिति हो रही सामान्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। 1 घंटा 50 मिनट की स्पीच में प्रधानमंत्री ने नीट, मणिपुर संविधान, कांग्रेस, पश्चिम बंगाल, रोजगार, भ्रष्टाचार, नीट-यूजी, फेडरलिज्म, इमरजेंसी, जम्मू-कश्मीर, इंदिरा, राहुल, दलितों पर बोले। प्रधानमंत्री जब 32 मिनट बोल चुके थे, तब विपक्ष के नेताओं ने सदन से वॉकआउट किया। वॉकआउट प्रधानमंत्री द्वारा सोनिया गांधी पर निशाना साधने के बाद हुआ। उन्होंने कहा- ये लोग ऐसे हैं, जो ऑटो पायलट और रिमोट पायलट पर सरकार चलाने के आदी हैं। वे काम करने में विश्वास नहीं रखते, वे बस इंतजार करना जानते हैं। इस पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बोले- ये लोग मुझे नहीं,

संविधान को पीठ दिखा रहे हैं। पीएम ने कहा- कल उनकी सारी हरकतें फेल हो गई, इसलिए वे मैदान छोड़कर भाग गए। नारे लगाना, चिल्लाना और भाग जाना, यही उनकी नियति है। पेपर लीक एक बड़ी समस्या है। मेरी इच्छा थी, सारे दल इस पर अपनी राय रखते। लेकिन यह मुद्दा भी इन्होंने राजनीति की भेंट चढ़ा दी। मैं देश के नौजवानों को आश्वस्त करता हूं कि आपको धोखा देने वालों को यह सरकार छोड़ने वाली नहीं है। इन्हें सख्त सजा मिले, इसलिए एक के बाद एक ऐक्शन लिए जा रहे हैं। हमने इसके लिए सख्त कानून बनाया है। मणिपुर में लगातार हिंसक घटनाएं कम हो रही हैं। स्कूल कॉलेज दफ्तर और अन्य संस्थान चल रहे हैं। मणिपुर में भी परीक्षाएं हुई हैं। जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डाल रहे हैं, कार्रवाई होगी।

टीम इंडिया से आज सुबह मुलाकात करेंगे पीएम मोदी

13 साल बाद विश्व विजेता बना है भारत, लौट रही है टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारबाडोस से लौटने के बाद टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 4 जुलाई को सुबह 11 बजे मुलाकात करेंगे। तूफान बेरिल के कारण टीम इंडिया पिछले दो दिनों से बारबाडोस में फंसी हुई थी। टीम इंडिया 4 जुलाई को भारत वापस आ रही है। टीम मंगलवार को बारबाडोस से रवाना होगी और बुधवार को दिल्ली पहुंचेगी। टी20 विश्व चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार शाम को चार्टर विमान से स्वदेश रवाना होगी।

बारबडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यहां हवाई अड्डा 'अगले छह से 12 घंटों' में चालू हो जाएगा जिसे श्रेणी चार के तूफान के कारण बंद किया गया था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कुछ अधिकारी और खिलाड़ियों के परिवार तूफान बेरिल के कारण पिछले दो दिन से यहां फंसे हुए हैं। टीम ने शनिवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब जीता। खिलाड़ियों को बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

एमवीए को हराने के लिए पुराने फॉर्मूले पर लौट आई बीजेपी

● महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों में सामने आई सोशल इंजीनियरिंग

● पंकजा मुंडे के साथ कई अन्य पूर्व ओबीसी नेताओं पर खेला 'दांव'

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद बीजेपी महाराष्ट्र में अपने पुराने फॉर्मूले पर लौट रही है। पार्टी ने राज्य में दिग्गज ओबीसी नेता रहे गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा के साथ जिन चार अन्य कैंडीडेट को विधान परिषद चुनावों में उतारा है। उसमें मा-ध-व (माली-धनगर, वंजारी) फॉर्मूला निकलकर आया है। इसे बीजेपी की तरफ से फिर अपने कोर

ओबीसी वोट बैंक को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है। बीजेपी ने टिकटों के चयन में सोशल इंजीनियरिंग का ख्याल रखा है। लोकसभा चुनावों में बीजेपी से दलित के साथ ओबीसी वोट भी बीजेपी से छिटके थे। इसका खामियाजा यह हुआ कि राज्य में को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और वह 23 से गिरकर नौ सीटों पर आ गई। विधान परिषद के कैंडीडेट का ऐलान होने के बाद बीजेपी अपने कोर वोट बैंक की तरफ लौट रही है।

इस बार जगन्नाथ रथयात्रा 2 दिन की, अबकी रहेगी जबरदस्त धूम

7 जुलाई की शाम को शुरू होगी यात्रा, 8 को गुंडिचा मंदिर पहुंचेंगे रथ, 1971 में भी ऐसा हुआ था

पुरी (एजेंसी)। इस साल पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा दो दिन चलेगी। जगन्नाथ मंदिर का पंचांग बनाने वाले ज्योतिषी का कहना है कि इस साल आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष में तिथियां घट गई। जिसके चलते रथयात्रा से पहले होने वाली पूजा परंपराएं 7 जुलाई की शाम तक चलेंगी। रथयात्रा की तिथि में बदलाव नहीं किया जा सकता, इसलिए सुबह शुरू होने वाली रथयात्रा शाम को शुरू होगी। इससे पहले 1971 में भी ऐसा ही हुआ था। ज्योतिषी डॉ. ज्योति प्रसाद का कहना है, 7 जुलाई को दिनभर पूजा परंपराएं चलेंगी और शाम को 4 बजे के आसपास रथयात्रा शुरू होने की संभावना है। सूर्यास्त के बाद रथ नहीं हांके जाते हैं, इसलिए रथ

रास्ते में ही रोके दिए जाएंगे। 8 को सुबह जल्दी रथ चलना शुरू होंगे और इसी दिन गुंडिचा मंदिर पहुंच जाएंगे। हर साल जेठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को स्नान करवाया जाता है। इसके बाद वो बीमार हो जाते हैं और आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष के 15 दिनों तक दर्शन नहीं देते। 16वें दिन भगवान का श्रृंगार किया जाता है और नवयौवन के दर्शन होते हैं। इस बार तिथियों की गड़बड़ी के चलते ये पखवाड़ा 15 की बजाय 13 दिन का ही रहा। इसी कारण भगवान के ठीक होने का दिन रथयात्रा वाली तिथि को पड़ रहा है।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल 5 जुलाई को लेगा शपथ

डिब्रूगढ़ (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक विवादित नेता और खडूर साहिब से नवनिर्वाचित सांसद अमृतपाल सिंह 5 जुलाई को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने रास्ता साफ कर ने उन्हें शपथ लेने की मंजूरी दे दी है। पंजाब सरकार के एक आला अधिकारी के अनुसार, असम की डिब्रूगढ़ जेल में

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत बंद अमृतपाल को डिब्रूगढ़ से दिल्ली लाया जा सकता है। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने कुछ दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस संबंध में अनुरोध भेजा था। इसमें खडूर साहिब से चुने गए सांसद के संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए अस्थायी रिहाई या पैरोल की मांग की गई थी। पंजाब सरकार के शीर्ष अधिकारी ने बताया, सांसद के रूप में शपथ लेने के लिए अमृतपाल के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वह 5 जुलाई को शपथ लेंगे और वापस डिब्रूगढ़ जेल ले जाया जाएगा। यानी अमृतपाल फिलहाल जेल में ही रहेंगे। अमृतपाल के कानूनी सलाहकार ईमान सिंह बताया कि स्पीकर से अमृतपाल को शपथ लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

भोपाल साइबर क्राइम ने 56 लाख के मोबाइल बरामद किए

300 गुम मोबाइल फोन लौटाए गए

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल की साइबर क्राइम ब्रांच की लास्ट सेलफोन यूनिट ने 300 गुम मोबाइल बरामद कर फरियादियों को लौटाए हैं। बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 56 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस कमिश्नर हरी नारायण चोरी मिश्र ने बताया कि साइबर क्राइम भोपाल की लास्ट सेल फोन यूनिट ने 300 गुम हुए मोबाइल तलाश कर बरामद किए हैं। जिसकी कीमत 56 लाख रुपए है। इसी तरह बीते पांच सालों में 6337 मोबाइल को बरामद किया जा चुका है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि आम नागरिकों की सहूलियत के लिए शरीर का अभिन्न अंग बन चुका है मोबाइल। मोबाइल गुम होने पर लोग खासे परेशान हो जाते हैं। इसी को देखते हुए साल 2013 से लास्ट सेल फोन यूनिट प्रारंभ की गई है। नागरिकों की परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए उनकी सहूलियत के लिए क्राइम ब्रांच भोपाल द्वारा 8 वर्ष पूर्व अनोखी पहल प्रारम्भ करते हुए नागरिकों के गुम हुए मोबाइल खोजकर लौटाने का केन्द्रीयकृत प्रयास आरम्भ किया गया था।

उज्जैन में पीएचई अफसर 60 हजार की घूस लेते पकड़ाई

ठेकेदार से 10 लाख के बिल पास कराने की डिमांड

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की सहायक यंत्री 60 हजार रुपए की घूस लेते हुए पकड़ी गईं। बुधवार दोपहर लोकायुक्त ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ा। महिला अधिकारी ने पीएचई विभाग के ठेकेदार से 10 लाख रुपए का बिल पास करने के बदले घूस मांगी थी। ठेकेदार ने दो टंकी और नल जल योजना के काम किए हैं। इसका बिल 2020 से अटका है। ठेकेदार अक्षय पाटीदार ने बताया कि 2020 में जल जीवन मिशन योजना के तहत घट्टिया तहसील के गांवों में काम का ठेका लिया था। कोरोना की वजह से काम समय सीमा में पूरा नहीं हो पाया। चार महीने की देरी होने पर पीएचई विभाग ने 10 लाख रुपए का बिल रोक रखा था।

निर्माणाधीन मकान में संदिग्ध हालात में युवक की मौत

सेंटिंग खोलने का बोलकर घर से निकला था, हाईटेंशन लाइन के नीचे मिली लाश

भोपाल (नप्र)। कोलार इलाके में युवक की निर्माणाधीन मकान की छत पर लाश मिली है। वह सेंटिंग प्लेट खोलने का काम करता था। जहां शव मिला उसके ठीक ऊपर हाईटेंशन लाइन है। लाश के पास ही पुलिस को एक लोहे की बड़ी रॉड मिली है। शुरुआती जांच में पुलिस को करंट से मौत की आशंका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद बुधवार की सुबह परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के मुताबिक अनिल सिंह लोधी (28) करारिया फार्म कोच फैक्ट्री के पास स्टेशन बजरिया इलाके का रहने वाला था। वह सेंटिंग ठेकेदार के पास काम करता था। मंगलवार की सुबह कोलार के सुरैया नगर में स्थित निर्माणाधीन मकान में काम करने का बोलकर घर से निकला था। शाम को करीब 6 बजे मकान मालिक ने उसे छत पर बेसुध हालत में देखा था। इसके बाद तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

नर्सिंग घोटाले के खिलाफ यूथ कांग्रेस का सत्याग्रह

उमंग ने की सीएम मोहन की तारीफ, कहा- मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे तक लड़ाई जारी रहेगी

भोपाल (नप्र)। नर्सिंग घोटाले के खिलाफ बोर्ड आफिस चौराहे पर चल रहे यूथ कांग्रेस के सत्याग्रह में आज विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पहुंचे। उन्होंने यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह को बिस्कुट खिलाकर सत्याग्रह समाप्त कराया। इस मौके पर उमंग सिंघार ने कहा, हमारी लड़ाई मंत्री विश्वास सारंग से है। उनका इस्तीफा न होने तक ये लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सीधे-साधे विद्यार्थी कॉलेज में एडमिशन ले लेते हैं। उन्हें क्या पता की कॉलेज फर्जी है। यहां भोपाल में मंत्री के साथ मिलकर अधिकारी नियमों में छेड़छाड़ करते हैं। जिससे छात्रों का भविष्य बरबाद हो रहा है। प्रदेश के युवाओं को विश्वास दिलाना चाहते हैं कि हम आपके भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

सीएम मोहन यादव की तारीफ की

उन्होंने कहा कि ये सत्याग्रह जब पूरा होगा जब नर्सिंग कॉलेज की पूरी लड़ाई आप जीतेंगे। आपकी ये लड़ाई सदन से लेकर मैदान तक विश्वास सारंग के खिलाफ चलती रहेगी। आपकी इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी और उसके विधायक पूरी तरह आपके साथ हैं।

हमारी लड़ाई उस मंत्री से है जो मोहन यादव की सरकार की कैबिनेट में मंत्री है। मोहन यादव ऐसे भ्रष्टाचारी मंत्री को रखे हैं। अभी नए-नए मोहन यादव आए हैं उनकी छवि स्वच्छ है। अगर वे चाहते हैं कि उनकी छवि खराब हो, मंत्री के काले दाग ते छींटे इनके कपड़ों पर आएं तो वे उन्हें झेलें।

मंगलवार को शुरू हुआ था सत्याग्रह

नर्सिंग कॉलेज घोटाले के खिलाफ यूथ कांग्रेस ने मंगलवार से बोर्ड ऑफिस चौराहे पर 24 घंटे का सत्याग्रह शुरू किया था। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह के साथ कई युवा नेता और नर्सिंग घोटाले से प्रभावित छात्र-छात्राएं भी सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे। सत्याग्रह स्थल पर कुछ नर्सिंग छात्राएं फूट-फूटकर रोने लगीं। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी पहुंचे और उन्होंने छात्राओं को ढांढस बंधाया। विवेक त्रिपाठी ने भाजपा पर सिर्फ राजनीति करने और छात्रों व युवाओं की उपेक्षा का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, जयवर्धन सिंह समेत कई कांग्रेस नेता मौके पर पहुंचे और भाजपा पर शिक्षा माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की कर रहे हैं मांग

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा राज में नर्सिंग घोटाला हुआ है, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। इसका असर छात्रों के भविष्य के साथ-साथ उनके पूरे परिवार पर पड़ा है। भाजपा ने शिक्षा माफिया के इशारे पर छात्रों को दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया है। हम इसकी लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ेंगे। हम विश्वास सारंग के इस्तीफे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हैं।

बजट से अधिकारी-कर्मचारी निराश

भोपाल में कहा–हर वर्ग को संतुष्ट करने की कोशिश पर कर्मचारियों को भूली सरकार

भोपाल (नप्र)। डॉ. मोहन यादव सरकार के पहले बजट से राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को निराशा हाथ लगी है। भोपाल में कर्मचारियों ने कहा है कि सरकार ने प्रत्येक वर्ग के बारे में सोचा और घोषणा की पर अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी तरह से भूल गई। उनके लिए न तो कोई नई घोषणा की गई है और न ही पुरानी घोषणाओं को पूरा करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने बताया कि अधिकारियों और कर्मचारियों के निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान जैसी योजना लाने की चर्चा लंबे समय से चल रही है, पर बजट में इसका जिक्र नहीं किया गया है। ऐसे ही मकान भाड़ा-वाहन भाड़ा में वृद्धि, वृत्तिकर समाप्त करने, केंद्र के समान महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने की मांग लंबे समय से की जा रही है। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि वित्त

मंत्री बजट भाषण में इनकी घोषणा करेंगे। इनमें से किसी भी विषय पर सरकार ने कुछ नहीं कहा। इतना ही नहीं, कर्मचारियों के लिए सरकारी आवास को लेकर भी सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी का कहना है कि मोहन सरकार का यह पहला बजट है, इससे अधिकारियों और कर्मचारियों को खासी उम्मीद थी पर बजट से हमें निराशा ही हाथ लगी है। सरकार ने पदोन्नति शुरू करने पर भी स्थिति स्पष्ट करनी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथरस एवं इंदौर की घटना पर दुःख व्यक्त किया

- **मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाले बड़े आयोजनों में सतर्कता बरतने के दिए निर्देश**
- **मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक वंदे मातरम् के गान के साथ हुई आरंभ**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक विधानसभा के समिति कक्ष में वंदे मातरम् गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के पूर्व अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ में हुई श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु एवं इंदौर के अनाथ आश्रम के मासूम बच्चों के असामयिक निधन पर दुःख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर जिला प्रशासन को घटना की विस्तृत जाँच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने संस्था के प्रबंधक पर कार्रवाई करने को भी निर्देशित किया है।

डॉ. यादव ने बताया कि हाथरस की घटना में ग्वालियर की एक महिला की भी मृत्यु हुई है। उन्होंने इंदौर की घटना में मृत बच्चों तथा ग्वालियर की महिला के परिजनों को प्रारंभिक रूप से दो-दो लाख रूपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रदेश में होने वाले सभी बड़े आयोजनों से संबंधित जिला प्रशासन आवश्यक रूप से तालमेल रखे। उन्होंने निर्देशित किया कि सतर्कता बरतते हुए ऐसे आयोजनों में आने-जाने के मार्गों के स्पष्ट चिन्हांकन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए।

महामंडलेश्वर बोले- श्रीकृष्ण ने 16000 शादियां कीं, चरित्रहीन कौन

निरंजनी अखाड़े के ब्रह्मर्षि से उज्जैन के संत नाराज; बोले-उन्हें पद से हटाया जाए

उज्जैन (नप्र)। कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा की राधा रानी पर टिप्पणी से सीहोर से मथुरा तक हंगामा मचा। उन्होंने बरसाना के मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। ये मसला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ है कि अब निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर ब्रह्मर्षि कुमारस्वामी की भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र पर टिप्पणी सामने आई है। इसका वीडियो सामने आने के बाद उज्जैन के संतों ने कुमारस्वामी पर प्रतिबंध लगाने और महामंडलेश्वर पद से हटाने की मांग की है। राजस्थान के महामंडलेश्वर ब्रह्मर्षि कुमारस्वामी गुरुदेव के नाम से जाने जाते हैं। वायरल वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं- चरित्रहीन कौन है? भगवान कृष्ण। 1 शादी कर ली, 2 कर ली, 15 कर ली, 16 कर लो... बहुत है, कितनी कर ली? 16000...ये कोई चरित्र है।

महामंडलेश्वर पद से हटाने की मांग

उज्जैन के संत महामंडलेश्वर सुमनानंद ने कहा, सनातन क्षेत्र में कार्य करने वाले ही सनातन के विपरीत बयान दे रहे हैं। ब्रह्मर्षि कुमारस्वामी 25- 30 साल से धर्म के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि वे निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं और भगवान कृष्ण को चरित्रहीन कह रहे हैं। मैंने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखा है कि चारों कुंभ में इनका आना निषेध करें। इनकी महामंडलेश्वरी खत्म करना चाहिए। महामंडलेश्वर सुमनानंद इससे पहले कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के खिलाफ भी शिकायत दर्ज करवा चुके हैं।

अनुयायी बोले- वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई

कुमारस्वामी के अनुयायियों का कहना है कि यह 2022 में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दिए गए प्रवचन का वीडियो है। ओरिजनल वीडियो में काट-छांट की गई है। उनके गुरु भगवान श्री कृष्ण के भक्त हैं।

हाथरस हादसे में ग्वालियर की महिला की भी मौत

- **महिला मंडली के साथ सत्संग में पहुंची थी, कहकर गई थीं- जल्दी आऊंगी**

ग्वालियर (नप्र)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 122 लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में ग्वालियर की महिला भी शामिल है। 45 साल की रामश्री सिंह महिला मंडली के साथ सत्संग में शामिल होने गई थी। बुधवार को उत्तरप्रदेश पुलिस उनका शव लेकर ग्वालियर पहुंची। यहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। थाटीपुर जगजीवन नगर की रहने वाली रामश्री (45) पत्नी स्व. दयाल सिंह घर की मुखिया थीं। साल 2014 में पति के निधन के बाद वे ही घर को संभाले थीं। परिवार में तीन बेटे व दो बेटियां हैं। किसी की भी शादी नहीं हुई है। रामश्री हर साल महिला मंडली के साथ भोले बाबा के सत्संग में शामिल होने जाती थीं। सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात दो गाड़ियों से ग्वालियर से करीब 12 महिलाएं सत्संग में हाथरस गई थीं। मंगलवार को हादसा के समय सभी महिलाएं एक साथ थी। अचानक वहां भोले बाबा के चरणों की धूल लेने के लिए लोग धक्का-मुक्की करने लगे। वहां बाबा के लोगों ने पीछे की तरफ धकेल कर वाटर कैनन से पानी की बौछार कर दी, जिसके बाद भगदड़ मच गई। इसी समय रामश्री महिला मंडली से बिछड़ गई। भगदड़ के बीच लोगों के पैरों के नीचे कुचलती चली गई।

शाम को मिली मौत की खबर

भगदड़ की सूचना मिलते ही महिलाओं के परिजन एक-दूसरे को कॉल करने लगे। रामश्री के बेटे पंकज ने भी संपर्क किया। पता लगा कि उनकी मां लापता है। कुछ देर बाद पता लगा कि रामश्री की भगदड़ में कुचलने और दम घुटने से मौत हो गई है। रामश्री के ऊपर ही पांचों बेटे-बेटियों की शादी थी। रामश्री के बेटे पंकज ने बताया, 'वैसे तो वे हर बार सत्संग में जाती थीं, लेकिन इस बार जाते समय कई बार मुड़कर देखा था। वे यह कहते हुए गई थीं कि ख्याल रखना। जल्दी आ जाऊंगी।

'साथ छूट गया फिर वो कहीं नहीं मिलीं'

रामश्री के साथ गई महिलाओं ने बताया, 'जब तक सत्संग चल रहा था, तब तक हम साथ थे। जैसे ही, बाबा के चरणों की धूल लेने भीड़ आगे बढ़ी, रामश्री बहन से हमारा साथ छूट गया। उसके बाद पता ही नहीं चला कि कौन कहां है। भगदड़ मचते ही सभी अपनी जान बचा रहे थे। हमें डर था कि हमारी एक साथी भीड़ के बीच में है, लेकिन बाद में जब लाशों के ढेर में देखा तो पता लगा कि वो नहीं रहीं।'

टूर-डी सतपुड़ा 5 जुलाई से, 16 साइक्लिस्ट होंगे शामिल

3 दिन में छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम जिले में 200 किमी का करेंगे भ्रमण; पचमढ़ी में समापन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड साइकिल सफारी के सहयोग से टूर-डी सतपुड़ा 2024 का आयोजन 5 जुलाई से कर रहा है। इसमें देश एवं विदेश के 16 साइक्लिस्ट छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम जिले में 200 किलोमीटर तक का रोमांचक सफर तय करेंगे। जिसका समापन 7 जुलाई को पचमढ़ी में होगा। छिंदवाड़ा से शुरू होने वाली सफारी में सायक्लिस्ट को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच चुनौतीपूर्ण चढ़ाई का सामना करना होगा।

सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के गंतव्यों के अलावा उन्हें ग्रामीण जीवन व संस्कृति देखने को मौका भी मिलेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया, टूर-डी सतपुड़ा के माध्यम से लोगों को प्रदेश की ऑफबीट डेस्टिनेशंस में मौजूद सुंदर परिदृश्य, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत से

अवगत कराएंगे। साइकिल सफारी के आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। छिंदवाड़ा, पातालकोट, तामिया, पचमढ़ी को साइक्लिंग कम्युनिटी के मध्य लोकप्रिय भी बनाना है। जिससे इस मार्ग पर नियमित रूप से साइकिलिंग गतिविधि संचालित हो सके। टूरिज्म बोर्ड के ज्वॉइंट डायरेक्टर डॉ. एसके श्रीवास्तव ने बताया, सभी प्रतिभागी 4 जुलाई को कैम्प में पहुंच जाएंगे। जहां उनकी ब्रीफिंग होगी।

यह है उद्देश्य

- रोमांच लवर्स एवं फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों को आकर्षित करते हुए एडवेंचर टूरिज्म के रूप में साइकिलिंग को बढ़ावा देना।
- पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।
- पर्यटकों को स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति के बारे में जानने और पारंपरिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर प्रदान करना।

यह है रूट

- 5 जुलाई को 62 किलोमीटर की साइकिलिंग होगी। होटल देव इंटरनेशनल छिंदवाड़ा से पलटवारा से छिंदी से पातालकोट कैंप तक यह रहेगी।
- 6 जुलाई को 54 किमी की साइकिलिंग होगी। लेट्स केम्प पातालकोट से करेयाम से चिमटीपुर से वापस कैंप।
- 7 जुलाई को 100 किमी की यात्रा लेट्स कैम्प पातालकोट से तामिया, मटकुली से एमपीटी होटल हाईलैंड पचमढ़ी।

संपादकीय

हाथरस : मौत की धूल..

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के फुलरई गांव में एक आश्रम में दोपहर करीब 1 बजे तथाकथित भोले बाबा के सत्संग के बाद बाबा के चरणों की धूल माथे पर लगाने के चक्कर में मची भगदड़ में 121 लोगों ने अपनी जानें गवां दीं। कई घायल हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। बताया जाता है कि बाबा ने प्रवचन के बाद भक्तों से कहा था कि वो जाते समय बाबा के चरणों की धूल लेते जाना और किसी भी दुखी व्यक्ति के माथे पर लगा देना। सब ठीक हो जाएगा। भोले भाले और अज्ञानी लोग उस धूल के चक्कर में खुद ही इस दुनिया से विदा हो गए। हालांकि इस हादसे को लेकर कुछ दूसरी थ्योरियां भी चल रही हैं। कहा जा रहा है कि भक्तों से पहले बाबा का काफिला निकालने और उसके बाद मची भगदड़ के चलते यह हादसा हुआ। प्रशासन इसे बड़ा हादसा मान रहा है, लेकिन हकीकत में यह बेकसूर लोगों की हत्या है। क्योंकि जिस तरह लोगों को आध्यात्मिक शांति के नाम पर धोखा देकर सत्संग में बुलाया गया और वहां कोई भी ठीक से इंतजाम नहीं किए गए, यह उस लापरवाही और निर्लज्जता का परिणाम है। साथ ही देश में धर्म के नाम पर लगातार बढ़ रहे अंध भक्ति और अवैज्ञानिक सोच का दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि पुलिस ने इस मामले में जो मुकदमा दर्ज किया है, उसमें भोले बाबा का नाम नहीं है। कहा जा रहा है इस मामले में प्राथमिक रूप से आश्रम के सेवादारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस भयंकर हादसे के बाद बाबा फरार है। उसे अपने ही भक्तों की चिंता नहीं है। अब तक मिली सूचना के मुताबिक सत्संग के लिए 20 हजार से ज्यादा लोग जमा थे। भगदड़ के बाद वहां भारी चीख-पुकार मची। लोग अभी भी अपने लापता लोगों को खोज रहे हैं। अस्पताल लाशों से भरे पड़े हैं। इस बीच सरकार ने 22 आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस बाबा की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। घटनास्थल के हालात ऐसे रहे कि लाशों को ओढ़ाने के लिए चादर तक नहीं थी। घायल जमीन पर तड़प रहे थे। उनका इलाज करने के लिए डॉक्टर नहीं थे। मृतकों में ज्यादातर हाथरस, बदायूं और पश्चिम यूपी के जिलों के हैं। उधर एटा के अस्पताल में लाशों के अंबार देखकर एक सिपाही को हार्ट अटैक आ गया और उसकी भी मौत हो गई। जहां बाबा भोले की बात है उसका असली नाम सूरजपाल सिंह है और वह पूर्व में आईबी में हेड कांस्टेबल था और बाद में नौकरी को छोड़कर आध्यात्मिक बाबा बन कर उसने अपनी नई दुकान खोल ली, जो चल पड़ी। हालांकि उसके खिलाफ यौन शोषण के मामले दर्ज होने की बात भी सामने आई है, लेकिन उसकी पुष्टि अभी बाकी है। बाबा खुद आध्यात्मिक गुरू बताता है और मानव धर्म का प्रचारक बताता है। उसके भक्तों में ज्यादातर गरीब तबके के लोग हैं। बाबा का सत्संग कई सालों से चल रहा था। लेकिन इस बार जो हुआ, उसमे आयोजकों के साथ साथ पुलिस और प्रशासन की भयंकर लापरवाही भी सामने आई है। लाखों की भीड़ को संभालने के लिए मात्र 40 पुलिस वालों की ड्यूटी लगाई गई थी। वहां कोई बड़ा अफसर भी मौजूद नहीं था। बाबा का आश्रम 30 एकड़ में फैला है और उस पर अवैध रूप से जमीनों पर कब्जे के भी आरोप हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हादसे से वो अंध भक्त भी कोई सबक लेंगे जो बाबा को परमात्मा से मिलाने वाला एजेंट मानते हैं।

बीजेपी जितनी कमजोर एकनाथ शिंदे उतने मजबूत

लोकसभा चुनाव के नतीजों से बीजेपी ने यह महसूस कर लिया कि अपने सहयोगियों को दबाकर रखने से किस तरह का नुकसान है। 23 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली बीजेपी 9 सीटों पर सिमट गई। शिंदे गुट ने 15 सीटों पर चुनाव लड़कर 7 सीटें जीती और महायुति में अपना सबसे बेहतर परफॉर्मेंस साबित किया। पवार एक सीट जीतकर सबसे पीछे रहे। विपक्षी गठबंधन ने 31 सीटों पर जीत हासिल करके राज्य के राजनीतिक समीकरण को ही बदल दिया है।

नजरिया

नवीन कुमार

(वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक)

लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद बीजेपी ने एक बड़ा फैसला लिया है। यह फैसला चौंकाने वाला है और यह भी स्पष्ट होता है कि वह अपने सहयोगी दलों के साथ किस तरह का बर्ताव करती है। इस फैसले में यह है कि अब वह एकनाथ शिंदे और अजित पवार पर दबाव नहीं बनाएगी। मतलब साफ है कि बीजेपी अपने अंगूठे के नीचे दबाकर रखती है। लोकसभा चुनाव के दौरान शिंदे और पवार की दर्दनाक चीखें सबको सुनाई पड़ी थी। महायुति में इन तीनों दलों का पहला संगम था जिससे उन चीखों को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया गया था। अब तो लोकसभा के नतीजों ने सब कुछ बदल दिया है। शायद बीजेपी ने यह महसूस कर लिया है कि अपने सहयोगियों को दबाकर रखने से किस तरह से नुकसान होता है। 23 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली बीजेपी 9 सीटों पर सिमट गई। शिंदे गुट ने 15 सीटों पर चुनाव लड़कर 7 सीटें जीती और महायुति में अपना सबसे बेहतर परफॉर्मेंस साबित किया। पवार एक सीट जीतकर सबसे पीछे रहे। उधर, विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने 31 सीटों पर जीत हासिल करके राज्य के राजनीतिक समीकरण को ही बदल दिया है। एमवीए का हौसला बुलंद है और उसे राज्य में सत्ता परिवर्तन भी दिख रहा है।

तीन महीने बाद राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके लिए महायुति और एमवीए दोनों गठबंधन चुनावी तैयारी में लग गए हैं। लेकिन सबसे ज्यादा मुसीबत बीजेपी के सामने है। उसका राजनीतिक जनाधार खिसका है जिससे उसकी चिंता बढ़ गई है। उसके लिए यह चुनाव जीतना बहुत आसान नहीं है। उसे अपने लिए फिर से जनसमर्थन जुटाने के लिए मशक्कत करनी पड़ेगी। एक बात यह भी है कि लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने जिस तरह से शिंदे गुट और पवार गुट को कमजोर साबित करने की कवायद की उसके विपरीत इन दोनों गुटों की ताकत उजागर हो गई। बीजेपी ने अपने अंदरूनी सर्वे का सहारा लिया था और शिंदे गुट के साथ पवार गुट को ऐसा आंका कि वे जीत ही नहीं सकते हैं।

इस सर्वे ने दोनों गुटों का मनोबल तोड़ दिया था। लेकिन शिंदे और पवार ने अपनी तरह से जमीन मजबूत की और महायुति में सबसे बेहतर स्थिति शिंदे गुट की सामने आई। पवार गुट को लेकर आशंका ज्यादा थी। फिर भी उसने एक सीट हासिल कर ली। बीजेपी को ऐसा लग रहा था कि उसने पुरानी शिवसेना (अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना) और पुरानी एनसीपी (अब शरद पवार की एनसीपी) को तोड़ दिया है और उसका लाभ उसे मिलेगा। लेकिन बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाओं को समझ नहीं पाई जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा। महाराष्ट्र की राजनीति में में यह संस्कृति नहीं रही है और लोगों ने अपनी भावना जता दी। अभी विधान परिषद के चार सीटों के लिए चुनाव हुए जिसमें उद्धव गुट ने दो सीटों पर जीत हासिल कर ली और बीजेपी को एक एवं शिंदे गुट को एक सीट मिली। जनता का यह रुख बीजेपी का भविष्य भी जता रहा है।

जनता के फैसले से बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व भी बेचैन है। प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में बीजेपी के केंद्रीय नेताओं ने साफ तौर पर कहा कि शिंदे गुट और पवार गुट पर न तो दबाव बनाया जाएगा और न उन्हें परेशान किया जाएगा। उनके साथ समन्वय बनाकर विधानसभा का चुनाव लड़ना है। यह तो तय है कि अगर शिंदे और पवार गुट का सहयोग नहीं मिला तो विधानसभा चुनाव तो क्या बीएमसी चुनाव भी बीजेपी जीत नहीं पाएगी। एक तरह से देखा जाए तो महाराष्ट्र में बीजेपी अपने सियासी दांव पेंच में कमजोर पड़ रही है। अब उसने पैंतरे बदलने शुरू कर दिए हैं। कल तक उसे लग रहा था कि शिंदे गुट और पवार गुट उसके हर तरह के दबाव को झेलने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन अब स्थिति और परिस्थिति दोनों बदल गए हैं।

बीजेपी को महसूस हो रहा है कि शिंदे गुट और पवार गुट के भरोसे ही राज्य में उसका भविष्य टिका हुआ है। विधानसभा चुनाव वह अपने दम पर नहीं जीत सकती है। उसे शिंदे गुट और पवार गुट के बैसाखी की जरूरत है। यह स्थिति इसलिए पैदा हो गई कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी से ज्यादा बेहतर परफॉर्मेंस शिंदे गुट का रहा है। शिंदे गुट की तरह पवार गुट दमदार नहीं है। उसे महायुति से बाहर करने के लिए आरएसएस और बीजेपी के कुछ नेताओं का दबाव है। लेकिन बीजेपी की जो स्थिति है उससे अब पवार गुट को भी बाहर निकलने से रोकने की कोशिश हो रही है। पवार गुट का उन क्षेत्रों में प्रभाव है जहां बीजेपी कमजोर पड़ रही है जैसे, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।

शिंदे के नेतृत्व में महायुति ने अपना दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। इस दौरान शिंदे का कद बीजेपी से बड़ा दिखने लगा है। इसलिए चर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव शिंदे के नाम पर ही लड़ा जा सकता है। हालांकि, इसकी अभी तक कोई अधिकृत घोषणा नहीं की गई है। बतौर मुख्यमंत्री शिंदे ने राज्य की जनता से खुद को जोड़ने की कोशिश की जिससे उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। लोकसभा चुनाव के नतीजे इसके गवाह हैं। शिंदे के काम करने के तौर-तरीके अलग हैं। कम बोलने वाले शिंदे जनता की समस्याओं को समझते हैं और उसे दूर करने के लिए काम भी करते हैं। उन्होंने मराठा आरक्षण के आंदोलन को अपने तरीके से सुलझाया है। मराठा के लिए 10 फीसदी आरक्षण की शुरुआत की है। लेकिन बीजेपी का इस आंदोलन के प्रति रवैया अलग था जिससे लोकसभा चुनाव में बीजेपी को नुकसान हुआ है। मराठा आंदोलन करने वाले मनोज जरांगे का आरोप है कि बीजेपी ने मराठा और ओबीसी को लड़ने की कोशिश की है।

शिंदे अपनी राजनीतिक सूझबूझ से उस मुकाम को हासिल करने में लगे हैं जिससे उन्हें किसी दबाव में न रहना पड़े। जब वह पुरानी शिवसेना में थे तब भी उन्हें बीजेपी के साथ गठबंधन की राजनीति देखने और समझने का मौका मिला था। इसलिए जब वह बीजेपी के साथ महायुति का हिस्सा बने तो अपनी उसी सूझबूझ से राजनीति करने लगे। अब वह विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे में बीजेपी के दबाव में नहीं रहेंगे। उनके गुट के नेता बीजेपी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं और 100 सीटों की मांग भी कर रहे है। शिंदे गुट का मानना है कि महाराष्ट्र में महायुति को शिंदे ही दोबारा सत्ता दिला सकते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री का चेहरा शिंदे ही हैं। यह माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री का चेहरा बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस या एनसीपी के नेता अजित पवार नहीं होंगे।

अजित पवार ने महायुति सरकार का आखिरी बजट पेश किया तो उसमें शिंदे का चेहरा झलक रहा है। शिंदे ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना शुरू की। इस योजना के तहत गरीब महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए मिलेंगे। यह मध्य प्रदेश की तर्ज पर है जिसके सहारे बीजेपी ने सत्ता हासिल की है। वैसे, इस योजना का श्रेय बीजेपी और एनसीपी (पवार गुट) भी लेने की कोशिश कर रही है। लेकिन शिंदे को वाहवाही मिल रही है। यह भी माना जा रहा है कि इस योजना से शिंदे को चुनावी फायदा मिलेगा। गरीब परिवार को तीन मुफ्त सिलेंडर दिए जाएंगे। नाराज किसानों को खुश करने के लिए शिंदे ने बजट में कृषि पंप के लिए मुफ्त में बिजली की भी घोषणा की है। शिंदे के राजनीतिक गुरू आनंद दिघे उर्फ धर्मवीर पर बनी फिल्म धर्मवीर-2 भी 9 अगस्त को रिलीज होने वाली है जिसमें शिंदे का कैरेक्टर राज्य की जनता को आकर्षित करेगा। ये भी उनके सत्ता में वापसी के लिए सहायक साबित हो सकते हैं।

राहुल का नया अवतार, कितना असरदार

राजनीति

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक स्तंभकार हैं।

संसद की दीवारों के कानों ने दस साल तक विपक्ष की दमदार विरोध की आवाज सुनने को तरस गयी। केवल गुजरात लॉबी को ही सियासी इतिहास बनाते देखा। एक सौ चालीस विपक्षी सांसदों को निर्लंबित होते देखा। उसने विपक्ष की हैसियत देखी ही नहीं। इसलिए कि राजनीतिक सत्ता ने विपक्ष को बेजुबां कर दिया था। विपक्ष एक जुट नहीं था। बंटा हुआ था। इस वजह से दस बरस तक संसद को अपने तरीके से हांका गया। इन दस बरसों तक विपक्ष के सीने में जो सवालों की आग थी,उसे एक जुलाई को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के पटल पर जब रखा, तो सत्ता पक्ष के चेहरे पर हवाई उड़ने लगी। जिस सदन में 750 किसानों की मौत पर दो मिनट के लिए मौन नहीं रखा गया। कोरोना काल में मरने वाले मजदूरों पर अफसोस नहीं जताया गया। आक्सीजन नहीं मिलने पर कई सांसें टूट गयी,उनके लिए संसद में कभी सत्ता पक्ष की आंखें गीली नहीं हुई। नोटबंदी में आम आदमी को अपने ही पैसों के लिए पुलिस की लाठियां खानी पड़ी,महिला पहलवानों के साथ की गयी बदसलूकी पर संसद कभी चीखी नहीं। अडानी और अंबानी के सत्ता पक्ष के रिश्तों पर जिसने आवाज उठाई,उसके पीछे ईडी लगा दी गयी। नीट परीक्षा कांड पर कार्रवाई हो रही है कहकर सत्ता पक्ष अपने मंत्री से जवाब तक नहीं मांगा। न ही सदन में कुछ बोला। दस बरस बाद सदन को नेता प्रतिपक्ष मिलने पर उसने विपक्ष की हैसियत देखी। और फिर एक-एक करके मोदी सरकार की बखिया जब राहुल गांधी ने उधेड़ना शुरू किया तो सत्ता पक्ष को सांप सूंघ गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब भी विपक्ष के किसी सवालों का जवाब देना उचित नहीं समझते थे। प्रधानमंत्री बनने पर जब जरूरी समझे,तभी आखिरी में बोले। लेकिन नेता प्रतिपक्ष के उठाए गए सवाल पर मोदी दो बार बोले। कभी अमितशाह के खड़े होने पर पूरा सदन ठिठक जाता था,उन्हें तीन बार राहुल गांधी के सवाल पर बोलना पड़ा। यहां तक कि उन्हें स्पीकर ओम बिरला से कहना पड़ा,अध्यक्ष महोदय हमें संरक्षण दीजिये। ऐसे में, कैसे हम संसद चला पाएंगे। एक साल से मणिपुर जल रहा है,लेकिन सदन में न मोदी बोले और न ही अमितशाह। ऐसा लगता है कि मणिपुर देश का हिस्सा नहीं है।

संघ की शाखा से निकली बीजेपी जिस हिन्दुत्व पर राजनीति करती आई है,उसकी नेता प्रतिपक्ष ने बखिया उधेड़ी तो मोदी को बोलना पड़ा। राहुल ने कहा,हिन्दू धर्म में हिंसा कहीं नहीं है। हिन्दू धर्म सिखाता है,डरना मना है। यह अहिंसा का देश है। भगवान शिव कहते हैं,डरो मत,डराओ मत। वे अहिंसा की बात करते हैं। बीजेपी के जो लोग अपने आप को हिन्दू कहते हैं,वे चैबीसों घंटे हिंसा करते हैं। हिन्दू हिंसा नहीं फैला सकता। वो नफरत नहीं करता। जाहिर है,कि आप हिन्दू हैं ही नहीं। राहुल के बयान पर प्रधान मंत्री मोदी ने हिन्दू कार्ड खेलकर संसद की दिशा बदलने की कोशिश की। उन्होंने कहा,पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर विषय है। राहुल ने कहा,नरेंद्र मोदी जी पूरा हिंदू समाज नहीं है। आरएसएस पूरा हिंदू समाज नहीं है। बीजेपी पूरा हिंदू समाज नहीं है। संसद में राहुल के भाषण देश की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है। राहुल गांधी ने मोदी के बही खाते का चिट्ठा खोल कर बीजेपी के उन सांसदों को खुश कर दिये,जो मोदी,अमितशाह के सामने बोलने से डरते हैं। और जिन्हें मंत्री नहीं बनाया गया वो भी। राहुल ने कहा बीजेपी के भीतर कितना डर है,इसी से समझ सकते हैं,कि नरेन्द्र मोदी के सामने गडकरी,राजनाथ मेरे से नमस्कार तक नहीं करते।

हिन्दू शब्द आते ही बीजेपी नींद से जाग जाती है। क्यों कि बीजेपी खुद को हिन्दू पार्टी मानती है। इसलिए बीजेपी के नेताओं ने राहुल के बयान पर प्रेस वार्ता कर दुष्प्रचार किया। कहा,राहुल गांधी ने हिन्दुओं को अपमान किया है। ऐसा इसलिए किया, ताकि बीजेपी का वोट बैंक खिसके नहीं। जबकि ऐसा करके बीजेपी अपना वोट बैंक का नुकसान कर रही है। वैसे हिन्दुत्व को लेकर विरोधाभासी विचार हैं। के. एन. गोविंदाचार्य कहते हैं हिन्दू का एक भाव सार्वभौमिकता का संदेश देता है। दूसरा भाव है,कि यह एक उन्माद का नाम है,जो मुसलमानों को निशाना बनाता है। ऐसे विरोधाभासी विचार, अकारण नहीं है। राजनीति में धुएं के लिए आग का होना जरूरी है। मोदी आरएसएस के प्रचारक रहे हैं। आरएसएस और बीजेपी में हिन्दुत्व समाया हुआ है। इसीलिए मोदी चुनाव में भी मुसलमानों के खिलाफ खूब बोलते आए हैं। आरआरएस के प्रचारक यशवंत राव केलकर कहा करते थे, हिन्दुत्व को लेकर अटल बिहारी बाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, के. सुदर्शन और विनय कटियार की समझ अलग है।हिन्दुत्व से हर किसी का अपना अपना अभिप्राय है। हिन्दुत्व को लेकर हर व्यक्ति में अलग- अलग दृष्टिकोंण झलकता है। यह भविष्य में परेशानियां खड़ी करेगा।''

राहुल गांधी ने संसद में कुछ गलत नहीं कहा,कि सरकार के खिलाफ जो खड़ा हो जाए या फिर उसकी नीतियों पर सवाल उठा दे,उसकी खैर नहीं। मेरे खिलाफ 21 मुकदमे दर्ज हुए। ई.डी.ने पांच घंटे तक पूछताछ की। मेरी संसद सदस्यता छीन ली गयी। मुझसे मेरा सरकारी आवास छीन लिया गया। देश में दो सी. एम. को जेल में डाल दिया गया। एक को अब छोड़ा गया है। विपक्ष को डराया गया। देश में नौकरी खत्म कर,डर का पैकेज दिया। प्रोफेशनल स्कीम नीट को कमर्शियल स्कीम बनाया। जुलाई 2004 में बेरोजगारी 9 फीसदी, कृषि दर में लगातार कटौती आज 1.80 फीसदी रह गयी है। राहुल गांधी ने अपने 90 मिनट के भाषण पर सरकार की उस नब्ज को पकड़ा,जिससे सरकार के माथे पर पसीना आ गया। यह कहना गलत नहीं होगा,कि राहुल गांधी ने संसद में बीजेपी और मोदी के उस आवरण को उतार दिया,जिसे वो पहनकर राजनीति करते हैं।

देश में उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ हो सकता है,तो किसानों का भी थोड़ा कर्ज माफ किया जा सकता है। किसानों ने एमएसपी मांगी,लेकिन सरकार देने से मना कर दी। सरकार का रवैया चौकाता है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सफाई देनी पड़ी,कि नेता प्रतिपक्ष गलत बयानी कर रहे हैं। एमएसपी पर खरीद जारी है। अग्निवीर पी.एम को ब्रेन चाइल्ड है। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने आपत्ति दर्ज कर सरकार की खामियों में पर्दा डालने का प्रयास किया। संसद में गलतबयानी की जा रही है। राहुल ने कहा,हमारी सरकार आएगी तो हम हटा देंगे।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी सदन में मोदी बता रहे थे, भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में चल पड़ा है। और 2047 को देश विकसित राष्ट्र बन जाएगा। देश की अर्थव्यवस्था दौड़ पड़ेगी। जबकि देश पर 272 लाख करोड़ का कर्ज है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा, आजकल बच्चे का मन बहलाने का काम चल रहा है। हिन्दू समाज को सोचना होगा,ये अपमान संयोग है या प्रयोग। कांग्रेस 2024 से परजीवी पार्टी कहलाएगी। कांग्रेस जिसके साथ रहती है,उसे खा जाती है। जबकि बीजेपी ने जिन राज्य में जिस पार्टी से गठबंधन किया,उसे निगल गयी। सवाल यह है कि मोदी तीसरे कार्यकाल में भी किस विकसित भारत का सपना दिखा रहे हैं। मौजूदा सियासी इतिहास अब नए तरीके से लिखा जाएगा कि संसद में विपक्ष की आवाज गूंजी। दस साल तक लगा ही नहीं,कि देश में लोकतंत्र है। तभी तो लाल कृष्ण आडवाणा कहते थे,देश में अघोषित आपातकाल है। राहुल गांधी ने संसद में जिन मुद्दों की चर्चा की, उस पर दस साल तक मोदी सरकार ने बात नहीं की। किसान कानून अडाणी और अंबानी के लिए लाया गया। किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए बनाया गया बिल रद्द कर दिया। सात सौ किसान शहीद हुए,हमने कहा किसानों के लिए दो मिनट का मौन संसद में रखा जाए। आपने कहा वो किसान नहीं आतंकवादी हैं। मणिपुर को सरकार की योजना ने हिंसा में जला दिया। पहली बार भारत के इतिहास में जनता से स्टेट छीने गए।जम्मू-कश्मीर-लद्दाख से स्टेट छीना। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को बीस मुद्दों पर घेर कर बता दिया कि अबकी बार मनमानी नही चलेगी।

यह अलग बात है कि राहुल गांधी ने सरकार को संसद में घेरा,लेकिन उसमें से कई अंश हटा दिये गए हैं। हटाए गए हिस्सों में हिंदुओं और पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी, आरएसएस समेत अन्य पर कमेंट शामिल हैं।

देश में नए तरीके की इमरजेंसी - संविधान के अनुच्छेद 105(1) के तहत संदन के हर सांसद को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली है। हटाए गए अंश नियम 380 के दायरे में नहीं आते। राहुल गांधी को संसद में जो कहना था,कह दिया। वही सच है।अंश हटा देने से सच नहीं मिट जाएगा।

बहरहाल राहुल गांधी नए अवतार मे दिखे। मोदी सरकार की संसद में बखिया उधेड़ी। उनके सवालों पर सत्ता पक्ष को संसद में सफाई देनी पड़ी। सवाल यह है,कि हरियाणा,महाराष्ट्र और झारखंड का वोटर अबकी चुनाव में क्या इंडिया के पक्ष में नयी सियासी पटकथा लिखने का मन बनायेगा।

यूं होंगे सपने पूरे, यूं बनेंगे विजेता

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

मानव जीवन भिन्न-भिन्न भावनाओं से जुड़ा हुआ है। यह भावनाएं हमें सपनें दिखाती है। सपने हर कोई देखता है और सपने देखना आसान भी बहुत है। इसमें ना तो कुछ खर्च होता है ना ही हमें कोई ख़ास मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन जब बात अपने सपनों को जीने की आ जाए, तब हमें मेहनत का रास्ता दिखाई देता है। जो दिखाई तो देता है पर आसान नहीं होता। यह भी सच है कि आसान रास्तों से सपने पूरे नहीं होते।

आज पूरा भारत ही नहीं बल्कि विश्व में भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व विजेता बनने का डंका बज रहा है। हम सब साक्षी रहे की सूर्यकुमार की कैच ने वर्ल्ड कप को हमारे हाथों में आने का रास्ता आसान कर दिया। लेकिन क्या यह मात्र एक शाम की बात है? क्या यह सूर्यकुमार की सालों की मेहनत का परिणाम नहीं है? उनकी आज की सफलता से पहले उन्होंने कितनी बार निराशा का सामना किया होगा। उन्हीं निराशाओं को धकेलते हुए अपने समय और अपनी क्षमताओं का सम्मान किया होगा। तब जाकर पूरे विश्व में अपने नाम को रोशन करने का सपना पूरा कर पाए।

हमारा कल कैसा होगा यह हमारा आज ही तय कर लेता है। समय की कद्र और स्वयं पर भरोसा करके ही हम विश्व विजेता बन सकते है। यह बात सच है कि जब हम अपने रास्ते को चुनते है तो आने वाली हर चुनौती गलत और दूसरों की दी जाने वाली सलाह ताना लगती है। ऐसा एक भी सफल व्यक्ति नहीं है जिसने बिना मेहनत किए अपनी मंजिल पा ली हो। सिर्फ इंसान ही क्यों पशु-पशियों को भी भोजन बिना मेहनत किए नहीं मिल पाता। यह कई बार देखा गया है कि दूसरों की सफल ज़िंदगी देखकर हम उनकी नकल करने लग जाते है और यही बनावटीपन हमारे पतन का भी कारण बनता है। क्यों हम उनकी आज की सफलता की नकल करते हैं? उनकी पीछे की मेहनत करना हम सीखते ही नही। यही हमारी अपने ऊपर कमजोरी को दर्शाता है। बनावटी जीवन हमें मोम का खिलौना बनाकर रख देता है और मेहनत हमें मौलिकता के धरातल पर चलाती है। यह दोनों रास्ते हमारे सामने होते है पर हम किसे चुनते है यह हमारी नियति बनाती है।

प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्यता से लिए गया निर्णय हमारी कमजोरी नहीं बल्कि हमारी मजबूती का परिचय देते है। कई बार दूसरों की बातें सुनकर चुप रहना कायरता नहीं बल्कि हमें आत्म-मंथन का समय देता है। यदि आप यह कहें कि आपके जीवन में चुनौतियां ना हो तब आप जीवन का सही अर्थ ही नहीं जान पाएंगे। चुनौतियां हमें स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ हमें स्वयं पर विश्वास रखना भी सीखाती है। हमें यह सीखना होगा की हर कठिनाई का हल है पर उससे निकलने का रास्ता आसान नहीं होगा और अगर हम आसान रास्ता चुनते है तो यह तय है की हमारी कठिनाई कुछ देर के लिए कम हुई है लेकिन हमेशा के लिए खत्म नहीं हुई। यह बात भी तय है कि आपको अपने सफल होने की कहानी खुद ही लिखनी होगी।

यह सारी बातें हमने अपने जीवन-काल में कभी ना कभी सुनी ही होंगी पर बात जब बातों पर अमल करने की होती है तब हम किसका चयन करते है? यह कठिन सवाल बनकर हमारे सामने आता है, क्योंकि आसान रास्ता हमें अपनी मंजिल को पाने का प्रलोभन लिए खड़ा रहता है और कठिन रास्ते से मंजिल बहुत दूर लगती है। मानवीय भावना है कि आसान रास्ता ही हम पहले चुनते है, तभी तो सफलता पर पहुंचने वालों की हम बस कहानियां ही पढ़ते है, वहां पहुंच नहीं पाते।

सफलता सबको अच्छी लगती है। सफलता कोई साधारण बात नहीं है, यह केवल धन से पाई नहीं जा सकती। सफलता का अर्थ बहुत गहरा है। इस को पाने का सबसे अच्छा तरीका है मानसिक शक्ति और स्वयं पर विश्वास। जब हम खुद पर भरोसा करते है,तब हर कठिनाई के साथ उसका हल भी हमें मिल जाता है। लेकिन अगर बार-बार कोशिश करने पर भी आप किन्हीं कारणों से अपनी मंजिल तक नहीं पहुँच पाते तो इसे अपनी असफलता ना समझें। हर असफलता ही आने वाली सफलता के दरवाज़े खोलती है। बस हमें बिना रुके उसकी तरफ बढना होता है।

आज से ही अपने जीवन में एक अध्याय का आरम्भ कीजिए जिसमें आप हो, आपकी मेहनत औए आने वाले बेहतरीन कल की सुंदर तस्वीर और वह सफल कहानी जिसे आप अपनी मेहनत से लिखेंगे और दुनिया पढ़ेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नदी में नहाते पुल और सड़कें स्विमिंग पूल

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

शंकालू जी अखबार में नज़र गड़ाए पड़े थे। अखबार की जो पहले पन्ने की पहली हेडिंग होनी चाहिए थी, वह सबसे नीचे दब गई थी। लेकिन शंकालू जी से कैसे दब पाती? उनकी नज़र में आ ही गई। प्रचंड गरमी का मौसम था। शीतलता का एहसास कराती खबर गरम चाय के साथ ले रहे थे। शंकालू जी के अनुसार हेडिंग थी, 'गरमी से परेशान उद्घाटन से पहले एक पुल ने नदी में लगाई छलांग।' गरमी से बचने का सबसे उत्तम उपाय स्नान ही है। यह उपाय हम सभी अपनाते हैं, परन्तु पुल ने अपना लिया तो इतना हंगामा क्यों भाई? हंगामा खड़ा करना अच्छी बात नहीं है। संस्कार नाम की चीज़ है कि नहीं। विपक्ष बस आरोप लगाने लगती है। यह संस्कारवान लोग हैं। उनपर भगवान भी आरोप नहीं लगाते हैं। यह भगवान के आदमी हैं। यह खबर सुनकर और भी पुल नदी में छलांग लगाकर गुलाटी मारने लगे।

बहुत गरमी है। सूर्यदेव की देन है। रामपथ ही नहीं सभी सड़कों में गड्ढे के ज़िम्मेदार केवल इंद्रदेव हैं। उनको कटघरे में खड़ा करो। भगवान से फरियाद करो। स्वर्गलोक में उनपर केस चले। अब भ्रष्टाचार का अचार कहाँ बनता है? भई अभी कहां सोए हो... यह रामराज है। अब यहाँ भ्रष्टाचार के लिए सुई की नोक के बराबर भी जगह नहीं दिया गया है। एक विपक्ष के माननीय को उनके वीवीआईपी बंगले की सड़क जलमग्न थी तो सहयोगियों ने उन्हें उठाकर कार में डाला। शंकालू जी आगे बोलते हैं कि 'तब सोचिए, भ्रष्टाचार है ही नहीं तो विपक्ष का आरोप मनगढंत है। आज भी सड़के तो गड्ढे से जानी जाती हैं। तेज विकास का दौर है।माननीय,ठेकेदार, इंजीनियर और बड़े साहब काली सूची वाले थोड़े ही हैं। यह ईमान वालों की सूची द्वारा निर्मित है।यह साफ़ -सफाई वाले लोग हैं। हर काम सफाई से करते हैं।

बरसात से पहले ही बड़े शहरों और छोटे शहरों की सीवर की सफाई कागजों पर दिख रही है, लेकिन पता नहीं क्यों पहली ही बारिश में सडके स्विमिंग पूल बन गईं। यह भी गरीबों के लिए अच्छा है। यह इंद्रदेव की महिमा है। वे गरीबों का ख्याल रखते हैं। गरीब स्विमिंग पूल में नहीं नहा सकते तो उन्होंने सड़कों को ही स्विमिंग पूल में तब्दील कर दिया।

यह भी विकास है। इससे गरीबों को आस है। स्विमिंग पूल पास है। सरकारें फ्री फ्री बांट रही थीं। सीवर चोक था तो इंद्रदेव ने प्रेरित होकर फ्री में स्विमिंग ही बांट दिया। स्विमिंग पूल पाकर जनता गदगद है। अहा! फाइव स्टार रेटिंग वाला सुख अच्छा लगता है। कालोनीयों की सडके गा रही हैं, 'ब्लू है पानी पानी...! और खींच मेरी फोटो..।'

शंकालू जी सशंकित भाव से अवलोकन कर रहे थे। अभी तो बारिश शुरू हुई है। आगे और लोचा है। शंकालू जी बहुत शक्की हैं। हर घटनाक्रम की पड़ताल ताल ठोककर करते हैं। वह समझ गए सारा माजरा। नदी में धड़ाधड़ पुल आखिर कूद कर आत्महत्या कर रहे हैं। जो भी पुल नदी में कूदे हैं, उनको तैरना नहीं आता था. जिसके कारण वह स्वर्गवासी हो गए। जितने भी गिरे हैं उनसे ज्यादा बनाने वाले ठेकेदार और इंजिनियर गिरे हैं। सडके भी स्विमिंग पूल बनकर चहक रही हैं, उनके भी कार्यदायी संस्थाओं के लोग बहक गए हैं। सरकारों को पुलों की सुरक्षा के लिए लाइफगार्ड तैनात करना चाहिए, जिससे पुलों को डूबने से बचाया जा सके। विपक्ष के कंधे पर ज़िम्मेदारी दे दी जाए। अभी सत्ता से दूर है तो विपक्ष का कंधा मजबूत है। राजधानी में एयरपोर्ट की फॉरकोर्ट की छत गिरी हरकत से लोग हलकान। आगे भी बरसात की दूसरी तीसरी चौथी और सभी किस्तों में देखिएगा.... खबरें..नदी में नहाते पुल और सड़कें स्विमिंग पूल।

सामयिक

मोहन वर्मा

हादसों के बाद जागते हम

दो जुलाई को उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग को सुनने आई भक्तों की भीड़ में भगदड़ मच जाने से देर शाम तक जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार 107 से अधिक लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों घायल हुए हैं जिनमें कई गंभीर है जिससे ये आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है। समाचार चैनलों की माने तो सत्संग के बाद जब बाबा अपनी गाड़ी में सवार सत्संग स्थल से जा रहे थे,आस्थावान भक्त बाबा के दर्शन करने और चरणरज लेने उनकी गाडी के साथ दौड़ने लगे। आसपास फैले कीचड़ में जब लोग गिरे तो एक के ऊपर एक के गिरते जाने से लोग दबते गये,कुचलते गये। सत्संग स्थल पर उमस गर्मी की बात भी सामने आई है। कहा जा रहा है सत्संग स्थल पर एक से डेढ़ लाख लोग मौजूद थे जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे।

आमतौर पर ये हम सबकी बुरी आदत है कि छोटे बड़े किसी भी तरह के हादसे हो जाने के बाद हमारी नीदं खुलती है। हम से आशय है निजी तौर पर हम, निजी संस्थाएं, सरकार,शासन और व्यवस्था के जिम्मेदार। हमारी नीदं जबतक नहीं खुलती जबतक कि कोई बड़ी घटना,दुर्घटना नहीं हो जाती और फिर घटना, दुर्घटना हो जाने के बाद सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने की तरह हम जागते है,घटना दुर्घटना की समीक्षा करते है, बदलाव के संकल्प लेते है सरकारी मामलों में जाँच का नाटक, कडी कार्यवाही की चेतावनी और बाद में ढाक के वही तीन पात।

दो जुलाई को उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग को सुनने आई भक्तों की भीड़ में भगदड़ मच जाने से देर शाम तक जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार 107 से अधिक लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों घायल हुए हैं जिनमें कई गंभीर है जिससे ये आंकडा और बढने की संभावना है । समाचार चैनलों की माने तो सत्संग के बाद जब बाबा अपनी गाड़ी में सवार सत्संग स्थल से जा रहे थे,आस्थावान भक्त बाबा के दर्शन करने और चरणरज लेने उनकी गाड़ी के साथ दौड़ने लगे। आसपास फैले कीचड में जब लोग गिरे तो एक के उपर एक के गिरते जाने से लोग दबते गये,कुचलते गये। सत्संग स्थल पर उमस गर्मी की बात भी सामने आई है। कहा जा रहा है सत्संग स्थल पर एक से डेढ़ लाख लोग मौजूद थे जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे।

हर बार की तरह ये सवाल सामने आने लगे हैं कि हादसे का जिम्मेदार कौन? प्रशासन ने कितने लोगों की अनुमति दी थी? किसी भी तरह के हादसे को रोकने के लिए, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए के लिए भोले बाबा और प्रशासन ने क्या तेयारी की थी। हादसे के बाद नेताओं के संवेदना व्यक्त करते और दोषारोपण करते बयान भी सामने आ रहे हैं और मुआवजे की घोषणा भी हो रही है मगर उन्होंने अपने स्वजनों को खोया है उनके दुखों का क्या?

प्रदेश में जगह जगह बागेश्वर महाराज और प्रदीप मिश्राजी की कथाओं में जिस तरह भीड़ उमड़ती है, लाखों भक्त धक्के खाते है, किसी भी तरह की बड़ी घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भोपाल इंदौर मार्ग पर शासन प्रशासन के सामने सडक जाम की घटना बहुत पुरानी नहीं हैं।

इंदौर में कुछ बरस पहले हुई सड़क दुर्घटना में एक स्कूल की बस का ट्रक से टकराना और हादसे में चार मासूम बच्चों की मौत होना एक ऐसा दर्दनाक हादसा था जिसका दर्द वही पीड़ित परिवार ही जान सकता है जिसने हादसे में अपने हँसते, खिलखिलाते और घर में रोशनी बिखेरते बच्चों को खो दिया था। घटना के बाद सामने आई जानकारी के अनुसार बस का स्टेयरिंग काम नहीं कर रहा था या कि बस के ब्रेक कम लगते थे,ये वही मुहावरा हुआ सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटना।

रोजमर्रा की ज़िन्दगी में हम देखते है बच्चे किन स्थितियों में स्कूल जाते है। अच्छे और महंगे स्कूलों के चक्कर में पेरेंट्स मुँह अँधेरे अपने मासूम बच्चों को दूरदराज के स्कूलों की बसों, ऑटो में लाद कर रवाना करते है। मोटी फीस लेने वाले स्कूलों की बसों के सही मेंटेनेंस की जवाबदेही किसकी है? इन बसों के स्टाफ द्वारा बच्चों के साथ गलत व्यवहार और यौन शोषण के किस्से भी कभी कभी सामने आते है क्योंकि अधिकतर मामलों में तो बच्चे खुद ही सहमकर चुप कर जाते है। कोई बच्चा स्कूल सम्बंधित दुर्व्यवहार या बात शेयर करता भी है तो पेरेंट्स अपनी उलझनों में एक और उलझन जानकर उसे तव्वजो नहीं देते है जो बाद में एक बड़ी घटना के रूप में सामने आती है। यही हाल ऑटो का है जहाँ क्षमता से अधिक कूच कूच कर भरे बच्चे आये दिन देखने को मिलते है।

हादसे हो जाने के बाद व्यवस्था को गलियाने का ये पहला और अंतिम मामला नही है। स्कूलों की स्थितियों में, व्यवस्था में कोई जादूई गुणात्मक सुधार हो जायेगा ऐसा भी नहीं है। मगर ये जिम्मेदारी उन सस्थानों की तो बनती है जो पालकों से मोटी फीस वसूलते है और जिनकी जिम्मेदारी पर पालक अपने मासूम बच्चों को सुरक्षित माहौल में बेहतर शिक्षा देना दिलाना चाहते है। स्कूल हादसे की तरह ही आये दिन हमारे सामने घटना दुर्घटनाएं होती रहती है जिन्हें अनदेखा करते हम किसी बड़े हादसे का इंतज़ार करते है और फिर हादसा हो जाने के बाद नींद से जागे हम अफ़सोस जाहिर करते है, संकल्प लेते है, और सरकारी मामलों में जांच बैठाते है,चेतावनी देते है ज्यादा हुआ तो मातमपुर्सी और मुआवजा तो है ही।

प्रसंगवश देखें तो प्रदेश में बीते समय में मध्य प्रदेश के बडवानी में सरकारी नेत्र शिविर में संक्रमित माहौल में और संक्रमित औजारों से हुए आपरेशन में कितने ही लोगों को अपनी आँखों की रोशनी खोना पड़ी, मगर क्या हुआ आज भी कई अस्पतालों में, शिविरों में यही हो रहा है। प्रदेश के बदनावर और हरदा में अवैधानिक रूप से संग्रहित विस्फोटकों के जखीरे ने कितने ही निर्दोषों को चिथड़ों में बदल दिया था,कुछ समय चली जाँच में ऐसे ठिकानों पर दबिश भी दी गई तो क्या आज सब कुछ ठीक है ? इंदौर के व्यस्त रानीपुरा में पटाखे की दुकानों में लगी आग में कई निर्दोषों की जान चली गई शहर शहर पटाखा व्यवसायियों पर शिकंजा कसा गया मगर क्या आज भी सब कुछ वैसा ही नहीं हो रहा? एटीएम उखाड़ ले जाने पर एटीएम सुरक्षा पर समीक्षाएं होती है, बेंकें सतर्क होती है मगर कुछ समय बाद वही ढाक के तीन पात।

जरूरत इस बात की है कि निजी और संस्थागत रूप से जिम्मेदारी और जवाबदारी के साथ समय समय पर पूरे जागरूकता के साथ इस बात को सुनिश्चित किया जाये कि जोखिम,खतरे,हादसों को महसूस करें और समय पूर्व ही समुचित और पर्याप्त सावधानी बरतते हुए कदम उठाये जाएँ न कि हादसे हो जाने के बाद लकीर पीटते हुए जांच, मुआवजा,और यहां वहां सख्ती की जाए।

मुद्दा

रानी प्रियंका वल्लरी

भक्ति का ढोंग

भक्तगण इन्हें भगवान के निजी सहायक समझते हैं। सोचते हैं हम जो भी कहेंगे यह भगवान तक हमारी बातें सीधा बिना रोक-टोक के पहुँचा देंगे। भक्तों की भक्ति देख इन बाबाओं को भी लगता है जब भक्तगण हम पर इतना विश्वास करते हैं तो क्यों नहीं अपनी रोटी गरमागरम सेंक ली जाए। रोटी की चाह से रोटी खिलाने वाले बन जाते हैं। इनकी पैठ सरकार से लेकर प्रशासन तक उच्चकोटि की होती है। यह भक्ति के आडंबर में भक्त का बढ़िया शोषण करते हैं। प्रवचन की ओट में लोगों के बीच अंधभक्ति की अज्ञानता बांटते हैं। भक्तों को गुमराह करते हैं। अपनी कमाई बढ़ाने के लिए अगरबत्ती के धूल से लेकर चरणों की धूल तक बेच डालते हैं।

टी वी में बाबा, रील में बाबा। संसद में बाबा, जेल में बाबा। मत पूछिए, कहां नहीं है बाबा। इन बाबाओं का सानिध्य पाने के लिए जान की क्या कीमत। तभी तो पिछले दिन हाथरस में सैकड़ों लोगों ने एक बाबा के दर्शन के लिए जान गंवा दी। बिल्कुल हृदयविदारक दृश्य देखने को मिला। परिजनों को ढूंढने की आपाधापी मच गई। कुछ ढूंढ पाए तो कुछ नाकामयाब रहे। कितने के घर उजड़ गये। और यह सब हुआ एक बाबा के चरणों के धूल के लिए।

दरअसल भक्तगण इन्हें भगवान के निजी सहायक समझते हैं। सोचते हैं हम जो भी कहेंगे यह भगवान तक हमारी बातें सीधा बिना रोक टोक के पहुँचा देंगे। भक्तों की भक्ति देख इन बाबाओं को भी लगता है जब भक्तगण हम पर इतना विश्वास करते हैं तो क्यों नहीं अपनी रोटी गरमागरम सेंक ली जाए। रोटी की चाह से रोटी खिलाने वाले बन जाते हैं। इनकी पैठ सरकार से लेकर प्रशासन तक उच्चकोटि की होती है।

यह भक्ति के आडंबर में भक्त का बढ़िया शोषण करते हैं। प्रवचन की ओट में लोगों के बीच अंधभक्ति की अज्ञानता बांटते हैं। भक्तों को गुमराह करते हैं। अपनी कमाई बढ़ाने के लिए अगरबत्ती के धूल से लेकर चरणों की धूल तक बेच डालते हैं।

मुझे दया उन स्त्रियों पर आती हैं जो इनके बहकावों में आकर अपने घर द्वार से विद्रोह कर इनके आडंबरों में फंस जाती हैं। बाबा और बाबा के चमचों से शोषण होती रहती हैं। आश्चर्य तब होता है जब दो फिल्मी धुन गाकर अपने दरबार में इनको नचा कर रसिक मुस्कान छोड़ते हैं। और महिलाएं लिप्त होती है,इनके बिछाए जाल में। यह बाबा कहते हैं जो भगवान के दरबार में नाचता है वह कहीं नहीं नाचता। ऐसे मीठी मीठी बातें कहकर रस प्राप्त करते हैं।

शुरुआत में यह फकीर और संत होते हैं। शनैः शनैः धनवान हो जाते हैं। फिर गृहस्थ बन जाते हैं। भौतिक सुविधाओं से लिप्त संत ही ढोंगी संत होते हैं। कुछ एक बाबाओं को छोड़कर सारे बाबा फर्जी और ढोंगी हैं। सूट,शेरवानी,पगड़ी में बाबा अपना दरबार सजाते हैं। ठीक वैसे जैसे कोई दुल्हा शादी के मंडफ़ में बैठ रस्म रिवाज को निर्वाह कर रहा हो। कोई चिमटा बजा कर दुख दूर करता है तो कोई गदा घुमाकर। लाखों की भीड़ जुटाकर यह बाबाओं अपनी कमाई बढ़ाते हैं। सबसे मूढ़ वह लोग है जो भीड़ के हिस्सा बनते हैं। वही लोग ज़्यादा भीड़ बढ़ाते हैं जिन्हें कर्म पर विश्वास नहीं, जिनमें स्वार्थ समाहित हैं।उन्हें लगता है बाबा के पास जादू की छड़ी है। वह छड़ी घुमाकर हमारे दुख का निवारण क्षण में कर देंगे।

स्वामी विवेकानंद पुण्यतिथि विशेष

अमित राव पवार

सबसे बड़ी बात है,कि अपने देश पर गर्व करना सीखें

आज तक का हमारा इतिहास विदेशियों ने ही लिखा है। उसमें हमारे गौरव की चर्चा न होकर हमारी तुच्छताओं का अधिक वर्णन है। उसमें हमारी विजय नहीं,हमारी पराजय ही लेखांकित की गई है। अब आवश्यक है, कि हम अपने देश को अपनी आंखों से देख उसके इतिहास को स्वयं खोजें और पढ़े, और सबसे बड़ी बात है, कि अपने देश पर गर्व करना सीखें।

पूरे समुद्र का पानी एक जहाज को डुबा नहीं सकता,जब तक कि वह जहाज उस पानी को अपने अंदर ना आने दे। ठीक ऐसे ही दुनिया का, कोई भी नकारात्मक विचार तब तक हमें गिरा नहीं सकता,जब तक कि हम उस विचार को अंदर (अंतर्मन) आने की अनुमति न दे। अपनी 39 वर्ष की कुल आयु में ऐसे महत्वपूर्ण विचार और विश्व के सम्मुख भारतीय दर्शनशास्त्र व संस्कृति को सही रूप से प्रस्तुत किया तथा एक आध्यात्मिक रूप से युवाओं को मजबूती प्रदान की व नौजवानों से आह्वान किया कि,अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्ति तक रुकना नही,ठहरना नही, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारत माँ की सेवा में समर्पित कर दिया, ऐसे स्वामी विवेकानंद जी इस राष्ट्र एवं समाज के लिए सालों से आदर्श व प्रेरणादायी हे और रहेंग। जिनका जन्म 12 जनवरी 1863 कलकत्ता एवं मृत्यु 04 जुलाई 1902 बेंलूरमठ बंगाल रियासत ब्रिटिश राज (अब पश्चिम बंगाल)में हुई। एक आध्यात्मिक युवासंत जिन्होंने युवाओं को प्रेरणा प्रदान की,दीन-दुखियों का दर्द जाना जिन्होंने मानव सेवा को सर्वोपरि माना। जिनके जीवन और उपदेशों ने हमें आजादी के इस युग के लिए तैयार किया है। वे हमें बता रहे है ,कि हाल ही में हमने जो आजादी हासिल की है, उसे हम अच्छे तरीके से कैसे पुष्ट करें। स्वामी विवेकानंद भारतीय पुनर्जागरण के एक महान नेता थे। भारत के सभी महान उपदेशकों के समान विवेकानंद जी ने एक भी नए मत को चलाने का दावा नहीं किया। उन्होंने हमारे और दुनिया के कल्याण के लिए भारत की धार्मिक चेतना की,उसके अतीत ज्ञान-कोष की ही व्याख्या की। उनके लेख और भाषण भारतीय धर्मशास्त्र और अपने गुरु परम सिद्ध श्री रामकृष्ण परमहंस के जीवन और उपदेशों से लिए उद्धरणों से भरे पड़े हैं।

विवेकानंद का कहना था कि, आज तक का हमारा इतिहास विदेशियों ने ही लिखा है। उसमें हमारे गौरव की चर्चा न होकर हमारी तुच्छताओं का अधिक वर्णन है। उसमें हमारी विजय नहीं,हमारी पराजय ही लेखांकित की गई है। अब आवश्यक है, कि हम अपने देश को अपनी आंखों से देख उसके इतिहास को स्वयं खोजें और पढ़े,और सबसे बड़ी बात है, कि अपने देश पर गर्व करना सीखें। उसके प्रश्चात हम अपना इतिहास स्वयं लिखें, ताकि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां यह जान सके,कि हम किस महान देश की संतान है।तुर्क,मुगल, अरब, पठान, अंग्रेज, पुर्तगाली या फ्रांसीसी हमारा इतिहास हमें शिक्षित करने के लिए नहीं लिख रहे थे,वे हमारा इतिहास लिख रहे थे,क्योंकि वे हमें राजनीतिक सांस्कृतिक और मानसिक दृष्टि से अपना दास/गुलाम बनाए रखना चाहते थे। परिणामतः उनसे शिक्षा पाकर हमारा देश ना तो शिक्षित हो सका,और ना ही स्वयं पर गर्व कर सका। ऐसे विद्वानों के लिए ही एक शताब्दी पूर्व श्री अरविंद ने 'पश्चिमीकृत मस्तिष्क' विशेषण का प्रयोग किया था। ऐसे लोग भारत के लिए विदेशियों से भी अधिक घातक सिद्ध हुए है।

विवेकानंद ने यह सिद्ध किया,कि हिंदू धर्म विज्ञान सम्मत भी है। और लोकतंत्र का समर्थक भी, प्रचलित हिंदू धर्म नहीं जो की दोषों से भरपूर है,बल्कि वह हिंदू धर्म जो कि हमारे महान प्रचारकों को अभिप्रेत था। जीवन की यदि कोई बात बिल्कुल निर्विवाद है,तो वह है उसकी अस्थिरता इस संसार की हर एक वस्तु लिखित शब्द चित्र प्रस्तर-प्रतिमा वीरतापूर्ण कार्य,नाशवान है बड़ी-बड़ी सभ्यताएं काल-कवलित हो जाती है। एक दिन आएगा जब सूर्य की आयु वृद्धि और स्थिति परिवर्तन से हमारी पृथ्वी आदमी के रहने के काबिल नहीं रहेगी। हमारे कार्य और विचार हमारे वीरतापूर्ण कारनामे,हमारे राजनीतिक ढांचे, इतिहास के अंग है, परिवर्तनशील है। ये सब काल के अधीन है,नाश को प्राप्त हो जाते हैं। भारत की परंपरा में जन्म और मृत्यु काल के प्रतीक है, क्या यह लोकक्षयकृत काल, यह शून्य,यह माया,यह संसार ही सब कुछ है,या कोई अन्य चीज भी है? क्या यह दुनिया जो घटनाओं की एक अनंत श्रृंखला है,आत्म-निर्भर है,स्वयं अपना आधार है,या कोई ऐसी भी चीज है,जो इसे प्रोत्साहित करती है। इसके नीचे रहती है, इसको एकता देती है, और इसमें व्याप्त भी है? क्या, परिवर्तन ही सब कुछ है या परिवर्तन के पीछे स्थायित्व भी है? क्या आदमी शून्य को समाप्त कर देगा या शून्य आदमी को समाप्त कर देगा? यह समस्या ही है,यह भय,यह चिंता जो हमें सता रही है, दुनिया के बारे में वह अनिश्चिय की अनुभूति ही इस बात की साक्षी है,कि एक दूसरी दुनिया भी है।यह काल के मध्य रहते हुए अमर जीवन की कामना को प्रकट करती है। पारमार्थिक सत्ता की अव्यक्त अनुभूति के कारण ही हमें इस दुनिया के प्रति निराशा होती है।

बैतूल विधायक के प्रयासों से करबला माचना पर बनेगा उच्च स्तरीय ब्रिज

● टिकारी हनुमान मंदिर से एनएच तक गड़ाघाट सड़क का निर्माण भी होगा

बजट में ब्रिज के लिए 6.72 करोड़, गड़ाघाट मार्ग के लिए 2.90 करोड़ स्वीकृत

बैतूल। जिला मुख्यालय बैतूल सहित जिलेवासियों के सुलभ आवागमन के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के विशेष प्रयासों से करबला माचना पर उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण होगा। साथ ही बैतूल टिकारी हनुमान मंदिर से एनएच तक गड़ाघाट मार्ग पर टू लेन सड़क बनेगी। म.प्र. के 2024-25 के बजट में माचना पर उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए 6 करोड़ 72 लाख एवं पुलिया सहित 2.20 किमी गड़ाघाट सड़क निर्माण के लिए 2 करोड 90 लाख रुपये की स्वीकृत मिली है। करबला माचना पर उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण से बारिश के दिनों में आवगमन अवरुद्ध होनें एवं अक्सर होनें वाली दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी। साथ ही गड़ाघाट मार्ग पर टू लेन सड़क निर्माण होनें से बैतूल शहर वासियों का एनएच तक आवागमन सुलभ हो जायेगा।

बारिश में आवागमन हो जाता था ठप्प- पुराने एनएच बैतूल खेड़ी परतवाड़ा मार्ग पर जिला मुख्यालय के समीप करबला माचना की पुलिया सकरी एवं कम हाइट की होनें से बारिश के दिनों में बाढ आनें से अक्सर आवागमन बाधित हो जाता था। जिला मुख्यालय आने - जानें के सबसे व्यस्ततम मार्ग पर बारिश में आवागमन बाधित होनें से ग्रामीणों,किसानों,बीमार पीडितों,छात्र-छात्राओं सहित अन्य लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इतना ही नही माचना की पुलिया अंत्यन्त सकरी एवं जर्जर हो जानें से यहाँ अक्सर दुर्घटनायें होती थी। पुल पर क्रॉसिंग के दौरान चौपहिया एवं दोपहिया वाहनों के नदी में गिरने के अनेक हादसे हो चुके है।

6 मीटर ऊँचाई का डबल लेन ब्रिज बनेगा- चिचोली,भीमपुर,भैसदेही,परतवाड़ा, अमरावती,इन्दौर से बैतूल आवागमन में करबला माचना की जर्जर हो चुकी सकरी पुलिया बड़ी बाधा मानी जाती थी। बीते अनेक वर्षो से सुलभ आवागमन के लिए यहाँ बडे ब्रिज के निर्माण की मांग की जा रही थी। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेवाल नें विधायकी के पहले कार्यकाल में भी ब्रिज स्वीकृत करवानें के प्रयास किये थे। लेकिन एनएच एवं पीडब्लूडी के अधिकारियों में सामंजस्य का अभाव होनें से ब्रिज निर्माण नहीं हो पाया था।

आम जन के सुचारू आवागमन के लिए बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल द्वारा किये गये विशेष प्रयासों से करबला माचना पर उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए 6 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि बजट में स्वीकृत की गई है। ब्रिज का निर्माण ब्रिज कॉरपोरेशन द्वारा करवाया जायेगा। लगभग 6 मीटर ऊँचे डबल लेन ब्रिज निर्माण होनें से बारिश के दिनों में भी आवागमन सुचारु संचालित रहेगा और हादसे भी नहीं होगें।

पुलिया सहित टू लेन बनेगी गड़घाट सड़क- बैतूल शहर को एनएच से जोड़ने वाले टिकारी गड़घाट मार्ग के क्षतिग्रस्त होनें एवं बारिश में बाढ़ आने से आवागमन में परेशानी होती थी। शहरवासियों के सुचारु आवागमन के मद्देनजर बैतूल विधायक नें पुलिया सहित 2.20 किमी गड़ाघाट मार्ग पर टू लेन सड़क स्वीकृत करवाई है। बजट में उक्त सड़क निर्माण के लिए दो करोड़ 90 लाख रुपये स्वीकृत हुए है। टिकारी हनुमान मंदिर से एनएच तक टू लेन गड़ाघाट सड़क निर्माण होनें से आवागमन सुलभ हो जायेगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग से बचाव एवं बेहतर पर्यावरण के लिए पेड़ लगाना जरूरी है : जिला न्यायाधीश उमेश सोनी

धार कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

धार। धार कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश उमेश सोनी, विशेष अतिथि के रूप में तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास शुक्ला, कार्यक्रम संयोजक के रूप में योगेश मालवीय (पी.एल.वी.) की गरिमामय उपस्थिति रही। संस्था के संचालक डॉ

आशीष चौहान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि श्री सोनी ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग से बचाव एवं भविष्य में बेहतर पर्यावरण के लिए हमे पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। विशेष अतिथि श्री शुक्ला ने विद्यार्थियों और धार कॉलेज स्टॉफ को शपथ दिलवाई की वे प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगायेंगे और उसको पेड़ बनने तक देखभाल करेंगे। संस्था सीईओ मोनिका चौहान ने अतिथियों को वचन दिया और कहा कि हम प्रतिवर्ष इस तरह के पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से जनजागरूकता लाने के प्रयास में हमेशा अहम भूमिका में रहेंगे। इस अवसर पर प्राचार्या नीना मेरी रोबर्ट, उप प्राचार्य नदीम अंसारी, हर्षिता मकवाना, आकाश परमार, प्रगति पारे,वंदना चौधरी,आरती बरोड़, मनीषा बेनल, आशा बिलवाल, आदि उपस्थित रहे।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व उपसंचालक ने अनुकंपा प्राप्त गर्भवती कर्मचारी को सेवा मुक्त कर दिया..!

नर्मदापुरम। नौकरी पाना आज के समय में न केवल टेड़ी खीर है बल्कि आसान नहीं ऐसे में अगर किसी अनुकंपा प्राप्त महिला कर्मचारी को महिला अधिकारी निकाल बाहर करें तो माना जा सकता है विभाग में नियमों का पालन कड़ाई से हो रहा। पर इन सबमें हटकर सभी के हृदय में एक मानवीय गुण और संवेदना बच रहती है उसे दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए, मतलब सेवा मुक्ति आदेश के पीछे कोई टीस या कारण पीछा नहीं कर रहा हो..! हालिया सतपुड़ा टाइगर रिजर्व उपसंचालक के पत्र क्रमांक स्थापना/ 375 दिनांक 1/ 7/ 24 के तहत शिवानी पगारे को सेवा से निकाल दिया गया। विभाग ने जिसे 3 जून 2019 में सहायक ग्रेड 3 पर उसके पिता गणेश पगारे की मृत्यु हो जाने से के स्थान पर कुमारी शिवानी पगारे को अनुकंपा नियुक्ति दी थी। देखा जाए तो किसी भी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति देने के पीछे उस विभाग की सद्भावना मृतक के परिवार की देख भाल भरण पोषण शासन का मुख्य भाव रहता है। यही भाव शिवानी पगारे को अनुकंपा नियुक्ति देने का रहा होगा। लेकिन विभाग में कार्यरत इस महिला को ऐसे समय सेवा मुक्त किया गया जबकि यह महिला प्रेगनेंट है। विभाग में वह कम्प्यूटर पर कामकाज करती है लेकिन उसने कम्प्यूटर टाइपिंग डिप्लोमा परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की, उसकी नियुक्ति की यह विभागीय शर्त पूरी नहीं हो पाई। यहां यदि उक्त महिला को सेवा मुक्त करने के बजाय नियमानुसार उसे 1 मौका या अन्य किसी पद पर समायोजित किया जाता तो महिला के प्रति महिला अधिकारी की यह सहानुभूति हो सकती थी या अपने वरिष्ठ अधिकारीयों से निवेदन किया जाना एक वैकल्पिक व्यवस्था अपेक्षित हो सकता था। पर ऐसा यहां कुछ नहीं किया गया फिर किरण पगारे को ही सेवा मुक्त नहीं किया है। विभागीय अधिकारी ने वंदना घोटे, किरण ठाकुर को भी सेवा से निकाल दिया। जिन्हें अन्य किसी भी पद पर समाहित किए जाने का अनुरोध कर्मचारी संघ के संरक्षक मधुकर चतुर्वेदी ने विभाग से की है। उनका कहना है कि किसी भी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति देने का कारण विभाग में सेवा रत रहे व्यक्ति के परिवार के प्रति सहानुभूति होती है, फिर शासकीय विभाग में प्रथम नियुक्ति पर उपस्थित होने पर विभागीय परीक्षा को जब तक पास नहीं किया जाता तब तक उन्हें वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं मिलने का प्रावधान नियमों में है। उसी प्रकार अनुकंपा नियुक्ति के कर्मचारियों को भी उन्ही नियमों के अनुसार मौका दिया जाना चाहिए न की सेवा से मुक्त किया जाना चाहिए। यहां अनुकंपा नियुक्ति के पीछे जो मृतक कर्मचारी के परिवार के बूढ़े, बालको को सुरक्षा प्रदान करने की मूल भावना थी उसका गला ही घोंट दिया है फिर वे शासकीय कार्य में 3/4 वर्ष में अनुभव और पारंगत हो गई है तो वह भी निष्फल हो जाता है अपने उपर विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध किया है कि अनुकंपा नियुक्ति मृतक के परिवार के भरण पोषण का सहारा ही होता है अतः इस विषय पर पुनः विचार किया जाना सभी दृष्टिकोण में बेहतर होगा।

बाइक की टक्कर से ग्रामीण की मौत, ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात की गई जान

बैतूल। बस से उतर कर घर जा रहे ग्रामीण को बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल की जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई। इधर जिला मुख्यालय पर एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों ही मामलों में जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जाखली निवासी ओझू आहके (45) अपने ससुराल चिखलार गया था। वहां से वह वापस लौट रहा था। वह पाढर तक बस से आया। यहां बस से उतरकर घर जा रहा था। इसी बीच बाइक सवार दो युवकों ने उसे टक्कर मार दी। जिससे ओझू गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने यह देखा तो उसे तुरंत ही जिला अस्पताल लाया गया। रात करीब साढ़े 10 बजे घायल हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया था। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के दौरान बाइक सवार मौके पर ही बाइक छोड़कर भाग गए। इस पर नंबर नहीं है। बताया जाता है कि मृतक के दो बेटे हैं। वहीं उसकी पत्नी मजदूरी के लिए हसलपुर गई हुई थी। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को भेजी गई है।

रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश- इधर जिला मुख्यालय पर बैतूल से इटारसी की ओर जाने वाले रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति की कटी लाश मिली है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। जीआरपी ने फिलहाल इसे सुरक्षित रखवा दिया है।

अंडरब्रिज के पास हुई घटना- जीआरपी के मुताबिक आज सुबह रेलवे प्रबंधन से तहरीर मिली थी कि सदर अंडर ब्रिज के पास रेलवे पटरी के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचे बल ने इटारसी की ओर जाने वाले ट्रैक से करीब 55-60 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद किया है।

यह जताई जा रही आशंका- यह ट्रेन की चपेट में आने से बुरी तरह कट चुका था। शव को लेकर आशंका जताई जा रही है कि रेलवे पटरी पार करते हुए मृतक हादसे का शिकार हुआ है। मोड़ होने के कारण शायद मृतक को आने वाली ट्रेन दिख नहीं पाई होगी और वह हादसे का शिकार हो गए।

पर्यटन की अपार सम्भावना का जिला है बैतूल : वन मंत्री नागर सिंह चौहान

● जन प्रतिनिधि प्रोजेक्ट बनाकर लाएं, तो हम उसे रोकेंगे नही

● आमला विधायक से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सारणी प्रोजेक्ट पर जल्द होगी चर्चा

बैतूल। प्रदेश सरकार के वन मंत्री नागर सिंह चौहान आज अल्प प्रवास पर बैतूल पहुंचे। जीला मुख्यालय स्थित वन विश्राम गृह में उन्होंने पत्रकारों से अनोपचारिक चर्चा में कहा कि पर्यटन विकास के लिहाज से बैतूल जिला बहुत सम्पन्न

है। श्री चौहान ने कहा कि बैतुल जिला जल-जंगल-जमीन के मामले में बहुत सक्षम है, यंहा पर मध्यप्रदेश का सबसे अच्छा जंगल भी है।

जल और झरने भी है, मुझे लगता है यंहा के जो हमारे जन प्रतिनिधि अगर कोई प्रोजेक्ट बना कर लाएंगे तो हम उस पर विचार करेंगे।

वन मंत्री श्री चौहान ने सारणी-चोपना सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से जुड़े क्षेत्र में पर्यटन के प्रश्न पर कहा कि आमला सारणी विधायक डॉ. योगेश पडाग्रे के प्रस्ताव को मुख्यालय पर दिखवाया जाएगा। जिला स्तर पर या राज्य स्तर पर कहां रुका हुआ है। इसके अलावा श्री चौहान ने वन ग्रामो को राजस्व ग्राम बनाये जाने के सवाल पर कहा कि प्रदेश के 550 वन ग्रामो को राजस्व ग्राम करने की प्रक्रिया चल रही है । चुनावो से अब फ्री हुए है और जल्द ही मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा कर राजस्व ग्राम बनाने की जल्द से जल्द पहल हो, ताकि हमारे वन ग्रामो में रहने वाले भाई बहनों को ज्यादा-ज्यादा योजनाओं का लाभ मिल सके।

हिंदुओं को अपमानित करने वाले कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जनता से मांगें माफी : डॉ. शरद विजयवर्गीय

भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का जलाया पुतला

धार। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा संसद में दिए गए हिंदू विरोधी वक्तव्य पर भारतीय जनता पार्टी धार नगर के बैनर तले भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी का पुतला जलाया।

भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा सोमवार को संसद में हिंदू विरोधी वक्तव्य देते हुए उन्होंने करोड़ों हिंदुओं को हिसंक कहा जिससे देश के सभी हिन्दुओं में आक्रोश व्याप्त है । हिंदुओं को

अपमानित करने वाले कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जनता से मांगे माफी। इसी को लेकर प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर बुधवार को त्रिमूर्ति चौराहा धार पर भाजपा नगर के बैनर तले भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रगट किया। राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाकर विरोध जताया।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकतंत्र के मंदिर में देश के करोड़ों हिंदुओं का अपमान करते हुए उन्हें हिसंक कहा। गांधी परिवार ने हिंदू समाज को हिंसक कहना अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया है। जिस तरह लोकसभा सदन में उन्होंने भगवान शिव शंकर भोलेनाथ के पोस्टर लेकर उन्होंने हिंदू समाज पर जो आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संवैधानिक पद पर रहकर निंदनीय कार्य किया। देश के सम्पूर्ण हिंदू समाज से उन्हें सार्वजनिक माफी मांगना चाहिए।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा नेता अशोक जैन,जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे,धार नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष मनीष प्रधान ,दीपक सिंह रघुवंशी, अनिल जैन बाबा ,ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, शिव पटेल ,अनिल गहलोत अंकित भावसार ,अजीत जैन ,अनिल यादव , हुकुम लश्करी विकास शर्मा ,नगर महामंत्री राजेश डाबी, जयराज देवड़ा, सनी होड़ा, गौरव जाट, बादल मालवीय ,करण पटेल सोनिया राठौर, पर्वत सूर्यवंशी,कैलाश पिपलोदिया प्रभात कुमार गुप्ता, भय्यूराम, अंकित जैन, देवेंद्र रावल, नितिन चौहान, देवांग पंवार, हरीश आर्य, जगदीश सोनी, शांतिलाल शर्मा,कमलेश बिजवा सहित वरिष्ठ भाजपा जनों ने राहुल गांधी के बयान पर विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया।

बरसात से बड़ी परेशानी, सड़कों पर गिर रहे हैं लोग..

नर्मदापुरम। इस बार बरसात ने पूरे नगर को एक तरह से दलदली और फिसलन युक्त बना दिया, नगर में पहली बारिश का लोग स्वागत करने को आतुर रहते थे और अब बारिश की परेशानी लोगों का जगह-जगह स्वागत कर रही.. नगर का ऐसा कोई क्षेत्र जिसमें गली मोहल्ले बाकी नहीं जहां बारिश का आम लोग गिर पड़कर उसका तहे दिल से स्वागत नहीं कर रहें हैं। गाड़ी सवार तो सड़क पर ब्रेक लगा सड़क पर गिरते ही बरसात को गले लगा रहे। उधर पैदल चलने वाले सड़क पर फिसलकर बरसात को गले लगा रहे । इसमें सब से हटकर जमीन पर गिरने वाले को जो उठाने जा रहे वह खुद जमीन पर गिरकर बरसात को गले लगा कर मानों स्वागत कर रहा पर, इस तरह बरसात का स्वागत करना सभी को काफी मंहगा साबित हो रहा जिसमें बुजुर्ग को ज्यादा परेशानी पहली बरसात का स्वागत करने में उठानी पड़ रही .. रेलवे स्टेशन के बाहर यात्री रेलवे केंपस से निकलते हुए सामान सहित जमीन पर गिर रहे, फिर इन्हें उठाने के लिए जो जा रहा वह खुद फिसल कर गिर रहा..! शेड के नीचे कुछ राहत मिलती है लेकिन वहां आटो वाले खड़े होकर व्यवस्था बिगाड़ देते, रेलवे स्टेशन से शुरू होकर पूरे नगर की जो हालत है उसने आम जनजीवन प्रभावित कर दिया है। इसका कारण सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए बेतरतीब तरीके से

खोदा गया नगर है। जहां जहां इस योजना के लिए सड़के खोदी गई है पहले तो वो तरीके से भरी नहीं गई फिर जो मिट्टी सड़क पर सूखी है वह बारिश के पानी से फूल कर अब आवागमन में परेशानी पैदा कर रही, मालाखेड़ी स्थित मुख्य न्यायाधीश के बंगले के सामने सीवरेज ट्रीटमेंट के लिए सड़क किनारे पाइप लाइन डालने के बाद भले ही उसी दिन काम पूरा किया गया, लेकिन सड़क पर फैली मिट्टी ने इस जगह को दलदली बना डाली। जिससे लोग सहित गाड़ियां यहां स्लिप खा रही। इस योजना क्रियान्वयन में नगर में सड़क खुदी है तो खुली पड़ी रही, पाइप देरी से डाले गए, यानी पेटी ठेकेदार ने मर्जी का काम किया गया। 300 करोड़ के लगभग की योजना यहां पेटी कॉन्ट्रैक्ट्स के सहारे चल रही। जिसने हर कहीं यहां तक न्यायालय की दीवार को मटेरियल एकत्रित करने का यार्ट बना लिया, फिर निकलने वाली मिट्टी को भी जहां इच्छा हुई सड़क किनारे पटक दिया परिणाम बरसात होते ही आमजनता परेशानी उठाने को मजबूर हो गई। जब-तक तेज और लगातार बारिश का पानी सड़क पर पड़ी मिट्टी को तबियत से नहीं बहा डालेंगी तब तक आम आदमी की एक बड़ी परेशानी सड़क पर फिसलकर गिरना या स्लिप कर सड़क पर गिरना मानो नियति बन चुकी है...?

श्री राजेंद्र सूरी शा.महा . सरदारपुर - राजगढ़ में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम हुआ

धार। श्री राजेंद्र सूरी शासकीय महाविद्यालय सरदारपुर - राजगढ़ में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन दिवसीय दीक्षारंभ एवं अभिप्रेरण कार्यक्रम बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं जनभागीदारी अध्यक्ष धर्मेन्द्र मण्डलोई, विशेष अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र, जनभागीदारी सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि नवीन बानिया थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एल एस अलावा ने की। सभी अतिथियों, संकाय विभागाध्यक्षों, एवं संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी ।

प्राचार्य प्रो.एल एस अलावा ने स्वागत भाषण दिया, कार्यक्रम प्रभारी प्रो. सरिता जैन ने अतिथियों का परिचय करवाया, मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र मण्डलोई ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अनुशासन पालन एवं पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया । सांसद प्रतिनिधि नवीन बनिया ने विद्यार्थियों को बताया कि हमें अभी तक इतिहास की सही जानकारी नहीं दी गई, किताबों में जो पढ़ाया गया वह पूरी तरह सही नहीं था हमारे राजाओं एवं महात्माओं के त्याग और बलिदान को हमसे छुपाया गया ,हमें भारतीय ज्ञान परंपरा के इतिहास को पुनः जागृत करना होगा तथा भारतीय संस्कृति के अनुसार अपना कार्य करना होगा ।

विद्यार्थियों को महाविद्यालय की फैकेल्टी एवं

ऑफिस स्टाफ से परिचय कराया गया महाविद्यालय के विजन और मिशन की जानकारी तथा नवीन शिक्षा नीति 2020 से भी परिचय कराया गया विद्यार्थियों को महाविद्यालय में सहजता अनुभव के लिए प्रेरित किया गया तथा अच्छा शैक्षणिक एवं अनुशासनात्मक वातावरण निर्मित करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ छात्रों तथा पूर्व छात्रों के साथ संवाद के माध्यम से बहुत सी बातों पर जैसे शैक्षणिक पाठ्यक्रम , पाठ्येतर गतिविधियों खेलकूद, महाविद्यालय में विकास कार्य, पर्यावरण को सुरक्षित करने तथा पौधारोपण के बारे में चर्चा की गई ।

विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई । पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री आवास सहायता तथा गांव की बेटी की संपूर्ण जानकारी दी गई । महाविद्यालय में महिला कल्याण एवं महिला उत्पीड़न निवारण समिति एवं महिला उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 के बारे में भी जानकारी दी गई तथा बताया गया कि छात्राओं को डरने की आवश्यकता नहीं है , महाविद्यालय में यदि उनके साथ कोई गलत व्यवहार करता है तो उसकी शिकायत समिति को कर सकती है क्योंकि आज महिला सशक्तिकरण पर ज्यादा बल दिया जा रहा है तथा स्त्री पुरुष समानता के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के भ्रमण के दौरान महाविद्यालय की विज्ञान प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला में अतिथि विद्वान डॉ मोहित चौहान ने अम्ल क्षार और लिटमस पेपर की प्रतिक्रिया के बारे में प्रयोग कर जानकारी दी । महाविद्यालय के पुस्तकालय के भ्रमण के दौरान उन्हें पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्य सामग्री तथा पुस्तकों की जानकारी दी गई। महाविद्यालय परिसर में स्थित आचार्य देव श्री राजेन्द्र सूरी जी, युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत श्री विवेकानंद जी की मूर्ति तथा गांधी जी की मूर्ति को भी भ्रमण के दौरान दिखाया गया। साइबर और बौद्धिकता संपदा अधिकार, स्वास्थ्य और कल्याण सुरक्षा एवं बीमारियों से बचाव संबंधी जानकारी, महाविद्यालय में विभिन्न क्लबो के बारे में जानकारी, विद्यार्थियों के उत्तरदायित्व समूह गतिविधियां खेल और फिटनेस गतिविधियां और विभिन्न पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों के लिए एक क्विज का आयोजन भी किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने सही जवाब दिए । अंत में प्रश्नोत्तर सेशन हुआ जिसमें विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया गया तीनों दिन स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा । कार्यक्रम का संचालन डॉ डी एस मुजाल्दा ने किया, आभार प्रो.सरिता जैन ने व्यक्त किया।

महाविद्यालय के वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो आरके जैन, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो सुरेंद्र रावत,डॉ ममता दास , डॉ सपना कासलीवाल, डॉ राकेश शिंदे, डॉ रंजना पाटीदार, अतिथि विद्वान डॉ निधि बाजपेई, डॉ जितेंद्र भगोरे, लालिमा विजयवर्गीय, बसंती मुजाल्दा, रीना खांडेकर, स्नेह लता मंडलोई, श्रीमती विजय दरबार, महेंद्र अलावा , दीपेश डांगी , कमलेश चौहान, महेश उपाध्याय, अजय राठौर, बिंदु गोखले, इंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

मोहन सरकार ने पहली बार

3 लाख 65 हजार 67 करोड़ का बजट पेश प्रदेशवासियों पर कोई नया कर नहीं

● शिक्षकों के 11 हजार और पुलिस के 7500 पदों पर होगी भर्ती ● 6 शहरों में चलेंगी 552 ई-बस ● प्रदेश में जल्द ही श्री कृष्ण पाथेय योजना भी लागू होगी। ● सरकार ने कहा कि अगले पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना होगा

गुणवर्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और औद्योगिक विस्तार पर रहेगा जोर:वित्तमंत्री

बजट की प्रमुख बातें

- वित्तमंत्री ने तीन लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपये का बजट पेश किया
- बजट पिछले साल की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।
- केंद्रीय सहायता के तौर पर प्रदेश को 15000 करोड़ रुपए अधिक मिलेंगे।
- बजट में पेयजल व्यवस्था के लिए 10279 करोड़ रुपये का प्रावधान हुआ।

मध्य प्रदेश की नई सरकार ने 2 जुलाई को ऐतिहासिक बजट पेश किया है। पहली बार एमपी का बजट 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपए की है। सरकार ने बजट में सभी क्षेत्रों का ध्यान रखा है। महिला, शिक्षा और रोजगार के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया गया है। साथ ही लाडली बहनों का भी ख्याल रखा गया है। सरकार ने बजट में अलग से लाडली बहना योजना के लिए राशि का प्रावधान किया है। इसके साथ ही नवीनकरणीय योजना पर भी मोहन सरकार ने जोर दिया है। आइए आपको बताते हैं कि मध्य प्रदेश के बजट में किस विभाग के लिए कितना फंड है। इसके बाद योजनाओं के बारे में बताएंगे। मध्य प्रदेश

विधानसभा में वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पेश किया। प्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार का यह पहला बजट है। इसमें प्रदेशवासियों पर कोई नया कर नहीं लगाया गया है। नगरीय विकास, किसानों के विकास, सिंचाई और शिक्षा सहित विभिन्न योजनाओं पर बजट का फोकस रहा है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उठाया सदन में गलत जानकारी देने का मुद्दा। इसके बाद यहां हंगामा शुरू हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मान्य परंपराओं का पालन करें जो विषय उठाया जा चुका है, वह दोबारा नहीं उठाया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अब नर्सिंग घोटाला मामले पर कोई चर्चा नहीं होगी।

● **पार्वती, काली सिंध और चंबल लिंक परियोजना-** 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर और 2028-29 तक एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र को संचित करने का लक्ष्य रखा गया है। पार्वती, काली सिंध, चंबल नदी लिंक परियोजना निर्माण की सैद्धांतिक सहमति बनाई गई है। इससे प्रदेश के 10 जिलों में चार लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित होगी और पेयजल मिलेगा सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण व संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। केन बेतवा लिंक परियोजना और के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।

● **कोदी कुटकी पर 10 रुपये प्रति किलो की अतिरिक्त राशि-** राज्य मिले मिशन मोटे अनाज को प्रोत्साहित करने के लिए लागू किया गया है। कोदो कुटकी पर प्रति किलोग्राम 10 रुपये की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। डिंडौरी में श्री अन्य अनुसंधान केंद्र स्थापित होगा। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के लिए 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। उज्जैन में चना और ग्वालियर में सरसों अनुसंधान केंद्र की स्थापना होगी। अनुसूचित जाति जनजाति के एक हेक्टेयर तक के भूमि धारकों को 5 हॉर्स पावर तक के विद्युत पंप पर निशुल्क विद्युत आपूर्ति। अटल कृषि ज्योति योजना अंतर्गत 10 हॉर्स पावर तक के किसानों को ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी दी जा रही है। इसके लिए 11065 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। मुख्यमंत्री कृषि कल्याण योजना में 4900 करोड़ रुपए रखे गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार की योजना से 42 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। गेहूं पर 125 रुपए प्रति कुंतल बोनस देने के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

● **किसानों को लोन के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान-** प्राकृतिक आपदा से होने वाली नुकसान की भरपाई के लिए 2000 करोड़ रुपए रखे गए हैं फसल विविधीकरण योजना के लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। 0 प्रतिशत पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 30 करोड़ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मैं शामिल होने से वंचित हितग्राहियों को शामिल करने के लिए राज्य सरकार की योजना के लिए 520 करोड़ रुपए रखे गए

हैं। किसानों को 23 हजार करोड़ रुपए के फसल ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। गौशालाओं में पशु आहार उपलब्ध कराने के लिए 250 करोड़ रुपए रखे गए हैं। प्रतिदिन अब 20 के स्थान पर 40 रुपये व्यय किए जाएंगे। वर्ष 2024-25 को गो वंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

● **2 साल में आठ और मेडिकल कॉलेज खोलने का होगा प्रयास-** स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए 40000 पद निर्मित किए गए हैं। वर्ष 2024 25 में मंदसौर नीमच और सिवनी में मेडिकल कॉलेज संचालित होंगे। इसके बाद आगामी 2 वर्षों में 8 और मेडिकल कॉलेज संचालित करने का सरकार प्रयास करेगी। कॉलेज के संचालन से स्नातक स्तर पर 3605 और स्नातकोत्तर स्तर पर 1560 सीटों की वृद्धि होगी। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत चार करोड़ एक लाख सदस्यों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस योजना के लिए 1381 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है।

● **गंभीर रोगियों को मिलेगा उपचार-** गंभीर रोगियों को आपात स्थिति में उपचार उपलब्ध कराने के लिए पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा प्रारंभ की गई है। वहीं मध्य प्रदेश शांति वाहन सेवा की शुरुआत भी की गई है। 800 आयुष आरोग्य मंदिर का संचालन भी प्रारंभ किया गया है।

● **बालाघाट, शहडोल, सागर, नर्मदापुरम और मुरैना में आयुर्वेद कॉलेज प्रारंभ किए जाएंगे-** बालाघाट, शहडोल, सागर, नर्मदापुरम और मुरैना में आयुर्वेद कॉलेज प्रारंभ किए जाएंगे। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 21 हजार 444 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो पिछले साल की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है।

● **सीएम राइस स्कूलों में परिवहन व्यवस्था-** वर्ष 2024-25 में 150 सीएम राइस स्कूल नवीन भवन में संचालित होंगे। इन विद्यालयों में एक किलोमीटर से अधिक दूर रहे बच्चों के लिए परिवहन व्यवस्था लागू की गई है। सीएम राइस विद्यालयों के लिए 2737 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 में 3200 प्राथमिक शालाओं में पूर्व प्राथमिक शालाएं प्रारंभ की जाएगी। 11000 शिक्षकों की नियुक्तियां की जा रही है। पीएम श्री योजना अंतर्गत 22 नवीन छात्रावास प्रारंभ किए जाएंगे। 87 लाख विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ पुस्तक और गणेश दिए जाएंगे।

● **पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बनेंगे-** पीएम उषा परियोजना के लिए 565 करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की गई है। प्रत्येक जिले में पूर्व से संचालित एक महाविद्यालय को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। इन महाविद्यालय के लिए 2000 से अधिक नए पद रचित किए गए हैं। 247 महाविद्यालयों के लिए 244 करोड़ रुपए का प्रावधान कर भौतिक एवं अकादमी का अधोसंरचना विकास के कार्य कराए जाएंगे।

बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई

मंत्री जगदीश देवड़ा ने भाषण पढ़ते हुए कहा कि बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। हम बाधाओं को पर कर विकास करेंगे। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बिजली देने पर काम हो रहा है। ओंकारेश्वर में 100 मेगावॉट का सोलर प्लांट लगाया गया है। बजट में कृषि को लाभ का क्षेत्र बनाने की योजना है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए राशि दी गई है। 48 लाख हेक्टेयर की अतिरिक्त भूमि सिंचित होगी। मध्य प्रदेश में इंदौर, भोपाल सहित 6 शहरों में 552 ई-बस चलाई जाएंगी।

● **तीर्थ दर्शन योजना के लिए 50 करोड़ रुपये-** वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद भविष्य निधि तुरंत मिलेगी। इसके साथ ही 50 करोड़ रुपये तीर्थ दर्शन योजना के लिए दिए जाएंगे। 4725

करोड़ रुपये का प्रावधान वन और पर्यावरण के लिए किया गया है। वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा- आगामी 5 साल में एक्सप्रेसवे नेटवर्क के माध्यम से अटल प्रगति पथ, नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा निर्माण एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड विकास पथ और मध्य भारत विकास पथ के कार्य किए जाएंगे। इन मार्गों के दोनों और औद्योगिक गलियारा विकसित किए जाएंगे।

● **सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन में बनेंगी सड़कें-** सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन शहर में बाइपास तथा शहर में सभी मार्गों को फोरलेन और 8 लेन की सड़क प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2000 किलोमीटर सड़क का नवीनीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़क एवं पुल के निर्माण व संधारण के लिए बजट 10000 करोड़ रुपए प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश में अभी तक 70 लाख 860293 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल उपलब्ध कराया जाएगा। सभी गैर कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को औसतन प्रतिदिन 10 घंटे विद्युत प्रदाय की जाएगी। प्रदेश में 26 जनवरी 2024 को सर्वाधिक 17614 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की गई। वर्ष 2024-25 में ऊर्जा क्षेत्र के लिए 19406 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो 2023 24 की तुलना में 1046 करोड़ रुपये अधिक है। हंगामे के बीच वित्तमंत्री बजट भाषण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के भाषण अनुमोदन हुआ। इसके बाद कैबिनेट में बजट को मंजूरी दी गई।

मध्य प्रदेश में कोई नया कर नहीं लगाया गया है

शासकीय सेवकों के सातवें वेतनमान के परिपेक्ष में पुनरीक्षण के लिए समिति का प्रतिवेदन मिल गया है। इस पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य नीति के अंतिम भुगतान प्राधिकार पत्र जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की जा रही है। बजट में किसी तरह का कोई नया कर अधिरोपित नहीं करने वह कर नहीं बढ़ने का प्रस्ताव है।

यह जनता का बजट: वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा

बजट पेश करने से पहले डिप्टी सीएम और वित्त विभाग संभाल रहे जगदीश देवड़ा ने कहा, मध्य प्रदेश सरकार का आज बजट पेश होगा। बजट जनता का, जनता के लिए और जनता को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री की नेतृत्व में मध्य प्रदेश की सरकार बहुत अच्छी चल रही है और निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। आने वाला बजट सर्वस्पर्शी है और जनता का बजट होगा।

प्रति व्यक्ति आय 10 हजार रुपये बढ़ी

विधानसभा में पेश की गई आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में 10,055 रुपये की बढ़त हुई है। यह सालाना एक लाख 42 हजार 565 रुपये पर पहुंच गई है। इसके पहले यह एक लाख 32 हजार 10 रुपये थी। यह प्रदेश में बढ़ती अर्थव्यवस्था के संकेत बताए जा रहा है।

बजट में मुरैना को मिली बड़ी सौगात

स्कूल, आयुर्वेद चिकित्सालय, फिर जागी प्रोग्रेस-वे की उम्मीद

मप्र के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को प्रदेश सरकार का वार्षिक बजट पेश कर दिया। बजट में चंबल अंचल के साथ-साथ मुरैना के लिए कई सौगातें दी गई हैं। डेढ़ साल से ठंडे पड़े अटल प्रगति पथ का निर्माण शुरू करवाने का वादा किया है। मुरैना के साथ-साथ बालाघाट, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम में आयुर्वेद चिकित्सालय की घोषणा की गई है। मप्र के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को प्रदेश सरकार का वार्षिक बजट पेश किया। इस बजट में किसी नए टैक्स या टैक्स की दरों की बढ़ोतरी का बोझ जनता पर नहीं डाला गया। सौगातों की बात करें तो मुरैना के लिए आयुर्वेद चिकित्सालय की घोषणा बजट में की गई है, हालांकि मुरैना शहर में पहले से आयुष अस्पताल है, जो नेहरू पार्क के पास स्थित है।

अटल प्रगति पथ, आयुर्वेद चिकित्सालय की घोषणा

डेढ़ साल से ठंडे पड़े अटल प्रगति पथ का निर्माण शुरू करवाने का वादा किया है, तो पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी लिंक परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। प्रदेश सरकार के बजट में आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज करवाने पर जोर दिया गया है। इसीलिए मुरैना के अलावा बालाघाट, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम में आयुर्वेद चिकित्सालय की घोषणा की गई है। इन अस्पतालों में आयुष विशेषज्ञ डाक्टरों की पदस्थापना होगी।

मुरैना को पांच सीएम राइज स्कूल

सरकारी स्कूलों में भी निजी स्कूलों की तर्ज पर अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने के लिए मुरैना को पांच सीएम राइज स्कूल बजट में दिए गए हैं। इनमें मुरैना शहर का उत्कृष्ट स्कूल नंबर दो, बानमोर, झुंडपुरा व मांगरौल के हायर सेकंडरी स्कूल और पोरसा के उत्कृष्ट स्कूल को सीएम राइज स्कूल बनाने का ऐलान किया गया है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुरैना के सीतापुर इंडस्ट्री एरिया में मेगा लेदर फुटवेयर एवं एक्सेसरीज औद्योगिक अधोसंरचना का जिक्र किया गया है, हालांकि लेदर फुटवेयर पार्क के निर्माण की बातें बीते ढाई साल से चल रही हैं, लेकिन इसका काम अब तक धरातल पर नहीं उतरा है।पिछड़ी जनजाति क्षात्रों के लिए छात्रावास मुरैना और श्योपुर जिले में विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल सहरिया आदिवासी समाज अच्छी संख्या में निवास करता है। आदिवासी समाज के बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए छात्रावास खोलने का ऐलान भी बजट में किया गया है। चंबल अंचल के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 1400 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना को मंजूरी भी बजट में स्वीकृति दी गई है। चंबल के तीनों जिलों में से यह परियोजना कहां विकसित होती, यह बजट में स्पष्ट नहीं हो पाया।

बजट प्रतिक्रियाएँ

● **मंत्री श्री टेटवाल-** कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने सर्वजन हिताय बजट के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा को बधाई दी है। मंत्री श्री टेटवाल ने प्रदेश सरकार के वर्ष 2024-25 के बजट को सर्वजन हितैषी बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। विकास की धुरी युवाओं के लिये बजट में उपयुक्त प्रबंध किये गये हैं। कौशल विकास एवं रोजगार के लिये बजट में कई मदों में उपयुक्त राशि का प्रावधान किया गया है।

● **उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल-** उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दक्ष नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था में निरंतर विस्तार हो रहा है। भारत आज विश्व की 5 शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार अपना योगदान सुनिश्चित कर रही है। यह प्रसन्नता का विषय है कि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

● **जीतू पटवारी -** म.प्र. कांग्रेस चीफ जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश सरकार के बजट को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा रामायण और गीता जैसा वचन पत्र दिया था, जिसमें किसानो को 3000 देने की बात की गई थी, वहीं बहनों को भी 3000 देने की बात कही गई थी। 450 रुपये का गैस सिलेंडर और लैपटॉप देने का भी वचन दिया गया था। बच्चियों की स्कूटी, छात्रवृत्ति देने की बात थी लेकिन सरकार उस पर कोई चर्चा नहीं कर रही है।

● **कमलनाथ -** मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नेता कमलनाथ ने एमपी बजट को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने बजट पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह जनता से विश्वासघात वाला बजट है। यह सरकार जनविरोधी है। इस बजट से एमपी की जनता को भारी निराशा हुई है। कमलनाथ ने कहा है कि यह वादा खिलाफी है।दरअसल, एमपी सरकार 3 जुलाई को अपना बजट पेश की है। बजट पर कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान दिया है। उन्होंने लिखा है कि मध्य प्रदेश सरकार का बजट जनता से विश्वासघात वाला बजट है।

● **कैलाश विजयवर्गीय-** आज का बजट मध्यप्रदेश में निवास करने वाले सर्वहारा वर्ग के विकास के लिये बनाया गया एक बेहतरीन बजट है। इसमें प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिये क्रांतिकारी कदम उठाये गये हैं। बजट पर अमल से हमारा प्रदेश विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर होगा। नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने बजट 2024-25 को प्रदेश के सतत् विकास के लिये अथक परिश्रम से बनाया गया एक अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि इसमें गांवों और किसानों के साथ-साथ प्रदेश के शहरों के विकास के लिये भी बड़े प्रावधान किये गये है। इस बजट से प्रदेश के शहरों में बिजली, पानी, सड़क, साफ-सफाई, सीवरेज एवं समुचित परिवहन व्यवस्था के विकास एवं विस्तार के लिये आवश्कतानुसार धन राशि का आवंटन किया गया है।

राजधानी को मिली बजट में सौगात

भोपाल के नाथू बरखेड़ा में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा

● बंसल हॉस्पिटल के पीछे से गुजरेगा पुल ● चूना भट्टी से मनीषा मार्केट तक बनेगी सड़क

भोपाल(नप्र)। भोपाल के नाथू बरखेड़ा में इंटरनेशनल लेवल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। यहां पहले से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हॉकी टर्फ और पवेलियन का निर्माण चल रहा है। ऐसे में खिलाड़ियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इंदौर, जबलपुर-ग्वालियर के अलावा भोपाल में एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनेगा। बजट में 30 से ज्यादा सड़कों को भी मंजूरी दी गई है। चूना भट्टी से बंसल हॉस्पिटल के पीछे से होते हुए मनीषा मार्केट तक सड़क और पुल का निर्माण 60 करोड़ रुपए से होगा। इसकी कुल लंबाई 2 किमी होगी। वहीं, कोलार रोड पर सर्व-धर्म स्थित पुराने पुल को साढ़े 6 करोड़ रुपए से संवारा जाएगा। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने बताया कि बंसल हॉस्पिटल के पीछे पुल बनेगा। यह तालाब की सीमा से बाहर रहेगा। यह रोड चूना भट्टी से मनीषा मार्केट तक गुजरेगा। सर्वधर्म के पुराने ब्रिज को संवारा जाएगा। बजट में इसका प्रावधान किया गया है। कोलार रोड, रायसेन रोड, केरवा रोड की सड़कों को भी बजट में शामिल किया गया है।

बता दें कि मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार का आज पहला बजट पेश किया गया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में बजट पढ़ा। बजट पर भोपाल के लोगों की नजर भी रही, क्योंकि बजट में राजधानी के डेवलपमेंट को लेकर काफी उम्मीदें थी।

बजट में मेट्रो के लिए भी प्रावधान

एमपी के दो शहर- भोपाल और इंदौर में मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम चल रहा है। भोपाल में दूसरे फेस यानी, सुभाष नगर से करोंद तक मेट्रो का काम शुरू होने वाला है। इसके लिए मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। बजट में भोपाल के साथ इंदौर मेट्रो को लेकर भी राशि का प्रावधान रखा है। दोनों शहरों के लिए बजट में कुल 1160 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।

- **भोपाल में पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी होगी शुरू-** तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार प्रदेश में पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए 1 करोड़ का बजट दिया गया है। इसके लिए सरदार वल्लभ भाई पॉलिटेक्निक कॉलेज भोपाल को एक करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। वहीं प्रदेश के हर संभाग 4 इंजीनियरिंग महाविद्यालय और 6 पॉलिटेक्निक महा विद्यालयों में कोडिंग लैब की स्थापना के लिए 1 करोड़ रुपए दिए गए हैं। बता दें कि कोडिंग, जिसे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के रूप में भी जाना जाता है, वह तरीका है जिससे हम कंप्यूटर से संवाद करते हैं और उन्हें बताते हैं कि उन्हें क्या करना है। कोडिंग के माध्यम से, पेशेवर वेबसाइट और एप सहित प्रोग्राम बना सकते हैं। इसके अलावा प्रदेश के 67 पॉलिटेक्निक कॉलेजों को 1 करोड़ की राशि दी जाएगी। इससे वह कॉलेज की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। इसके अलावा सेना में शामिल होने वाले युवाओं के प्रशिक्षण के लिए नई योजना प्रारंभ करने के लिए प्रतीकात्मक प्रावधान किया गया है।
- **शांति वाहन के संचालन के लिए नवीन योजना-** लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश में शांति वाहनों के संचालन के लिए नई योजना के तहत 24.48 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत अब शांति वाहन लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे। वहीं पहली बार स्वास्थ्य संस्थाओं के अनुरक्षण कार्यों के लिए पिछले चार सालों में पहली बार 80 करोड़ का बजट दिया गया है। इस सत्र में स्वास्थ्य विभाग का कुल बजट 15 हजार 508 करोड़ का बजट मिला है। इसमें इसमें सबसे अधिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 4 हजार 500 करोड़ मिला है। इसमें नेशनल अर्बन और रुलर हेल्थ मिशन शामिल हैं।
- **ग्रामीण शिक्षकों को अब मिलेगी आवास सुविधा-** ग्रामीण इलाकों में पदस्थ शिक्षकों को अब आवास देने की तैयारी सरकार ने कर ली है, इस बजट में सरकार ने इस सुविधा के लिए प्रावधान किया है। वहीं समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों में कंप्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए 2 हजार रुपए का प्रतीकात्मक प्रावधान बजट में किया गया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट) की स्थापना के लिए शुरुआत की जाएगी। बता दें कि सीमेट की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक योजना एवं शैक्षणिक प्रबंधकीय क्षमता का विकास करना। विकेन्द्रीकरण के संबंध में उचित प्रक्रिया निर्धारित व विकसित करना। Operational

Practice के माड्यूल विकसित करना। व्यवसायिक दक्षता विकसित करना, शिक्षा से जुड़े कार्यपालक अधिकारियों की क्षमता संवर्धन करना।

- **भोपाल को ये सौगातें मिलीं-** नाथू बरखेड़ा में इंटरनेशनल लेवल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। 10 हजार की क्षमता का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होगा। नीलबड़ के नाथू बरखेड़ा में बनने वाला इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की क्षमता 10 हजार दर्शकों की होगी। इसमें एक इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला एक फुटबाल ग्राउंड और चार-चार हजार लोगों की क्षमता को दो हॉकी ग्राउंड शामिल होंगे। पहले फेस के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग ने 137.60 करोड़ रुपए जारी किए हैं।
- **पीएम ई-बस प्रदेश के 6 शहरों में चलेगी-** पीएम ई-बस प्रदेश के 6 शहरों में चलेगी। इनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर शामिल हैं। कुल 552 ई-बसें आएंगी।
- **भोपाल में एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा-** भोपाल में एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा। बैरागढ़ इलाके में यह कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके लिए टेंडर समेत सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में भी एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा।
- **गैस पीड़ितों के इलाज के लिए 145 करोड़ -** बजट में स्वास्थ्य सेवाएं गैस राहत के लिए 145 करोड़ रुपए मिले हैं। इस राशि से गैस पीड़ितों के इलाज किया जाएगा।
- **सड़कों के सुधार के लिए 250 करोड़ रुपए -** बजट में प्रदेश के शहरों के मास्टर प्लान की सड़कों के उन्नयन एवं विकास के लिए इस वर्ष 250 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है। ऐसे में भोपाल की सड़कों के सुधार के लिए भी राशि मिलेगी।

भोपाल में 3 जगह चेक पोस्ट

खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए 40 इलेक्ट्रॉनिक चेक गेट बनेंगे। मानव रहित स्थापित करने की परियोजना स्वीकृत की है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत भोपाल जिले में 3 और रायसेन जिले में 1 स्थान पर चेक गेट पोस्ट बनाए जाएंगे। अगस्त माह के अंत तक स्थापित कर लिया जाएगा। इस वर्ष के अंत तक परियोजना को पूरे प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश में अवैध उत्खनन को रोकने के लिए भी प्रोजेक्ट शुरू होगा।

प्रतिक्रियाएँ बजट

मोहन सरकार का बजट कुशल प्रबंधन की मिसाल : वीडी शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के बजट का स्वागत करते हुए कहा कि 3 लाख, 65 हजार, 67 करोड़ रुपये का यह बजट अब तक का सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक बजट है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट कुशल आर्थिक प्रबंधन की मिसाल है। भाजपा सरकार का फोकस हमेशा से विकास पर रहा है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जनता के हितों को ध्यान में रखकर प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है। उनकी सरकार द्वारा प्रस्तुत यह सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय बजट प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा। यह बजट मध्यप्रदेश के युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों के साथ समाज के हर वर्ग को ताकत देने वाला है, जिसमें गरीब कल्याण का ध्यान रखा गया है।

युवाओं, किसानों और बहनों का है बजट : वन मंत्री श्री नागर

वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने प्रस्तुत बजट को युवाओं, किसानों, बहनों और उद्योग के कल्याण का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में राज्य की अर्थ-व्यवस्था बहुत तेजी से गतिशील हुई है। सभी क्षेत्रों में सुधार साफ दिख रहा है। वन मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ सालों में अधोसंरचना विकास की गति बहुत ज्यादा बढ़ी है। इसका सकारात्मक अर्थ-व्यवस्था पर दिख रहा है। महिलाओं को अधिकार सम्पन्न बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि वन, पर्यावरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा के बजट प्रावधान पर हार्दिक बधाई दी।

मध्यप्रदेश बजट 2024 : 'विकसित मध्यप्रदेश' के निर्माण पर केंद्रित बजट : मंत्री श्री सारंग

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रदेश के बजट-2024 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह 'लोककल्याणकारी एवं विकास मूलक बजट है। उन्होंने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में अभूतपूर्व कदम है। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, श्रमिक एवं युवाओं के कल्याण और हर क्षेत्र के विकास का यह बजट सर्व स्पर्शी और सर्वव्यापी है। निश्चित रूप से यह बजट हर वर्ग के उत्थान एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

सहकार से समृद्धि की परिकल्पना हो रही साकार: मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार बजट में सहकारी बैंकों को अंशपूंजी के लिये 1000 करोड़, सहकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के लिये 600 करोड़ एवं प्राथमिक साख सहकारी समितियों को प्रबंधकीय अनुदान के लिये 149 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिये सहकारिता क्षेत्र में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष 2023-24 में किसानों को रूपये 19 हजार 946 करोड़ का फसल ऋण वितरण किया गया है, जो वर्ष 2022-23 की तुलना में रूपये 1 हजार 490 करोड़ अधिक है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 23 हजार करोड़ फसल ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं (पैक्स) का किया जा रहा कम्प्यूटरीकरण: मंत्री श्री सारंग ने बताया कि पीएसीएस की प्रक्रियाओं और कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कम्प्यूटरीकरण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि पैक्स संस्थाओं के अभिलेख डिजिटलाईज्ड करने से इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आयेगी, जिससे प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। पैक्स संस्थाओं के कम्प्यूटरीकरण के लिए 32 करोड़ रूपये का प्रावधान बजट में रखा गया है।

यह समावेशी और संतुलित विकास का अतुलनीय बजट है : जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बुधवार को पारित बजट 2024-25 को समावेशी और संतुलित विकास की दिशा में एक अतुलनीय बजट बताया है। डॉ. शाह ने कहा है कि इस बजट में हमारी सरकार ने गांव, गरीब, किसान, युवा, वृद्धजनों, महिलाओं और बच्चों सभी के समग्र विकास एवं कल्याण की चिंता की है। जन, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ-साथ इनके संवर्धन के लिये भी हमारी सरकार ने शिद्दत से प्रयास किये है। विकास के प्रकाश से अब कोई भी वंचित नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री जन-मन योजना में जनजातीय बाहुल्य गांव के विकास के साथ-साथ लक्षित वर्ग के हर व्यक्ति तक विकास का लाभ उसके घर तक पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिये बजट में विशेष उपबंध (प्रावधान) किये गये है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने सम्पूर्ण जनजातीय वर्ग को समाज की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिये बजट में किये गये विशेष प्रावधानों के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रदेश की सभी जनजातियों को विकास की नई ऊचांईयों तक ले जायेगें।

जन-हितैषी एवं प्रदेश के विकास को गति देने वाला बजट : वन राज्य मंत्री श्री अहिरवार

वन, पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार ने प्रदेश के बजट को जन-हितैषी एवं विकास को गति देने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में सभी वर्गों का समावेश किया गया है। विशेष कर अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग पर फोकस किया गया है, जो प्रदेश के विकास में सहायक होगा। राज्य मंत्री श्री अहिरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के विकास को नये पंख लगेंगे। उन्होंने विकास उन्मुखी बजट के लिये उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है बजट : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा आज विधानसभा में वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत किया गया। बजट प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गये इस बजट में युवाओं, किसानों और गरीबों सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ऊर्जा विभाग के लिए इस वर्ष 19 हजार 406 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में एक हजार 46 करोड़ रूपये अधिक है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। श्री तोमर ने बताया कि अटल गृह ज्योति योजना के लिए 3500 करोड़ रूपये और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 6290 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। आर.डी.एस.एस. योजना के लिए 3150 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। ट्रांसमिशन एवं वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए 565 करोड़ रूपये एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 5 एच.पी. पंपों तथा एक बत्ती कनेक्शन को निःशुल्क बिजली देने के लिए 2475 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में बारिश

म.प्र.में दो सिस्टम एक्टिव; गुना, अशोकनगर समेत 7 जिलों में अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बुधवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और सीहोर समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा।

भोपाल में सुबह से रुक-रुककर कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही है। दरअसल, प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से 2 सिस्टम एक्टिव हैं। जिसके चलते प्रदेश के ज्यादातर जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। भोपाल में बुधवार को रुक-रुककर बारिश होती रही। जिससे सड़कों पर पानी भर गया।

17 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने शिवपुरी, शाजापुर, रायसेन के भीमबेटका, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नरसिंहपुर, दमोह, सागर, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर के खजुराहो और कटनी में आकाशीय बिजली गिरने या चमकने के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। मैहर, जबलपुर, बैतूल, पन्ना, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, भोपाल, राजगढ़, सीहोर, विदिशा, अशोकनगर, भिंड, गुना, अलीराजपुर, झाबुआ, सतना, रीवा, उमरिया, डिंडोरी, धार, देवास, आगर और इंदौर में भी कहीं बारिश तो कहीं आंधी का दौर चलेगा।

धीरेंद्र शास्त्री का वीडियो- बागेश्वर धाम न आएं

हाथरस हादसे के बाद कहा- व्यवस्थाएं कम पड़ीं, हमारे जन्मदिन पर न जुटाएं भीड़

खजुराहो (नप्र)। छतरपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर 4 जुलाई को श्रद्धालुओं से बागेश्वर धाम न आने की अपील की है।

शास्त्री ने कहा, धाम में श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थीं। लेकिन लगातार बढ़ रही भीड़ की वजह से ये कम पड़ने लगी हैं। ऐसे में आप लोग हमारा जन्मदिन अपने-अपने घरों पर ही मनाएं। दरअसल, उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ में 122 लोगों की मौत हो गई। कई घायल हैं। प्रशासन अब तक 121 मौतों की पुष्टि कर चुका है। इस घटना के बाद मंगलवार देर शाम धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वीडियो जारी कर बागेश्वर धाम से जुड़े लोगों और श्रद्धालुओं से 4 जुलाई को यहां न आने की अपील की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धाम आने की बात भी कही है। कहा है कि गुरु पूर्णिमा के लिए धाम पर व्यापक इंतजाम किए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उस दिन हम आपका स्वागत करेंगे।

वीडियो में शास्त्री ने यह कहा

वीडियो में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा- 4 जुलाई को हमारे जीवन की आयु का एक वर्ष और कम हो जाएगा। इसके लिए अद्भुत आनंद उत्सव की व्यापक तैयारियां चल रही हैं। इस वीडियो के माध्यम से हम दूर-दूर से बागेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं से निवेदन करना चाहते हैं। आयोजन को लेकर हमने व्यापक व्यवस्था की थी लेकिन 1 जुलाई से ही बहुत ज्यादा लोगों की भीड़ धाम पहुंचने लगी है। आप लोगों की सुरक्षा को देखते हुए हम यह अपील करते हैं कि जो जहां है, वहीं घर बैठकर यह उत्सव मनाए।